दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 121
मुरादाबाद
23 August 2025
(Saturday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

विकसित होंगी नगर पालिकाएं, गौरव पथ... स्मार्ट क्लास रूम व ईवी स्टेशन के साथ बढ़ेंगी डिजिटल सेवाएं

नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 साल बाद नगर निगमों की वित्तीय स्वीकृति सीमा बढ़ाई जाएगी। सभी नगरीय निकायों के पास अपने भवन हों। हब-एंड-स्पोक मॉडल से नगर पालिकाओं को जोड़कर आधुनिक निगरानी व सुरक्षा मिलेगी। लखनऊ-कानपुर रुट पर शीघ्र 200 इलेक्ट्रिक बसें बढ़ेंगी। अन्य नगरों में 650 बसें खरीदने की भी योजना है। मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रिक बसों को प्रोत्साहन के साथ चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार करने के निर्देश दिए। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर विकास विभाग की समीक्षा की। उन्होंने जिला मुख्यालयों स्थित नगर पालिकाओं को स्मार्ट और विकसित बनाने की योजना के क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। कहा कि स्मार्ट-विकसित नगर पालिका योजना का उद्देश्य पालिकाओं को आधुनिक, आत्मनिर्भर और नागरिक-केंद्रित रूप में विकसित करना है। इस योजना तहत नगर पालिकाओं में गौरव पथ, पिंक टॉयलेट, शहरी सुविधा केंद्र, स्मार्ट क्लास रूम व आंगनबाड़ी, थीम आधारित पार्क, ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण, जलाशयों का पुनर्जीवन, ईवी चार्जिंग स्टेशन, ग्रीन क्रेमेटोरियम और डिजिटल सेवाओं जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए उत्सव भवन, सामुदायिक केंद्र और %वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट% आधारित ढांचे भी स्थापित किए जाएंगे।सेवाओं में आधुनिकता आएगी... संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस योजना को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर लागू किया जा सकता है। उदाहरण के लिए लखनऊ और गोरखपुर स्थित एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर से समीपवर्ती जिलों की नगर पालिकाओं को जोड़ा जा सकता है। इससे सुरक्षा, निगरानी और शिकायत निवारण जैसी सेवाओं में आधुनिकता आएगी। साथ ही संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा। अधिकारियों ने बताया कि नगर निकायों को चार करोड़ से 10 करोड़ रुपये तक का अनुदान देने का प्रस्ताव है। यह उनकी जनसंख्या और कार्य दक्षता पर आधारित होगा। बैठक में लखनऊ और कानपुर में 200 इलेक्ट्रिक बसों को नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मोड पर संचालित करने तथा अन्य नगरों में 650 बसों की प्रत्यक्ष खरीद का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर भी शीघ्र तैयार किया जाए। पीपीपी मोड पर परियोजनाएं शुरू करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने कहा कि 74वें संविधान संशोधन की भावना के अनुरूप नगर निकायों को अधिक वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार मिलने चाहिए। लखनऊ में शहीद चंद्रशेखर आज़ाद अंतरराष्ट्रीय शूटिंग रेंज एवं बहुउद्देश्यीय खेल परिसर की स्थापना के भी निर्देश दिए। उन्होंने इन परियोजनाओं को पीपीपी मोड पर प्राथमिकता के साथ शुरू करने के लिए कहा।

संक्षिप्त समाचार

यूएन मिशन में महिलाओं की भागीदारी का भारत प्रबल समर्थक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र की महिला सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। इस मुलाकात में राजनाथ सिंह ने यूएन मिशन में में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना की। रक्षा मंत्री ने ये भी कहा कि भारत, संयुक्त राष्ट्र मिशन में महिलाओं की भागीदारी का प्रबल समर्थक है।

संयुक्त राष्ट्र की महिला सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज यहां संयुक्त राष्ट्र के 15 देशों की सैन्य अधिकारियों की उपस्थिति संयुक्त राष्ट्र की एकता और सहयोग की उसकी भावना को दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र ने शांति अभियानों में महिला अधिकारियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए हैं। महिला अधिकारी शांति अभियानों में अमूल्य दृष्टिकोण लाती हैं।

वे अक्सर स्थानीय समुदायों के साथ गहरा विश्वास बढ़ाने में सक्षम होती हैं और उनकी उपस्थिति यौन हिंसा को रोकने, मानवीय सहायता तक पहुंच में सुधार और लैंगिक समानता को बढ़ाने में मददगार साबित हुई है।

महिला शांति सैनिक रोल मॉडल के रूप में काम करती हैं, स्थानीय महिलाओं और लड़कियों को प्रेरित करती हैं।

आक्रामक कुत्तों को शेल्टर होम में ही रखा जाए, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है। हमने मामले का दायरा पूरे भारत में बढ़ा दिया है। कोर्ट ने नगर निगम अधिकारियों को भोजन के लिए समर्पित स्थान बनाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने 11 अगस्त के अपने निर्देश में कुछ शर्तों के साथ संशोधन करते हुए कहा कि आवारा कुत्तों को टीकाकरण और नसबंदी के बाद आश्रय स्थलों से छोड़ा जाए।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर के डॉग शेल्टर्स से आवारा कुत्तों को छोड़ने पर रोक लगाने वाले अपने 11 अगस्त के निर्देश में संशोधन कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पकड़े गए कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद उसी जगह पर छोड़ दिया जाए, जहां से उन्हें उठाया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ ने साफ किया कि कुत्तों को छोड़े जाने वाला आदेश रेबीज से संक्रमित या रेबीज से संक्रमित होने की आशंका वाले या फिर आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों पर लागू नहीं होगा।सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारैया की पीठ ने कहा कि डॉग शेल्टर्स से आवारा कुत्तों को छोड़ने पर रोक लगाने वाले 11 अगस्त के निर्देश को फिलहाल स्थगित रखा जाएगा। पीठ ने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ऐसे विशेष भोजन क्षेत्र बनाएं, जहां लोग आवारा कुत्तों को खाना खिला सकें। पीठ ने कहा कि नगर निकायों की ओर से विशेष नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों की आबादी और सघनता को ध्यान में रखते हुए भोजन क्षेत्र बनाए जाएंगे। पीठ ने साफ किया कि सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी। कुत्तों को गोद लेने के लिए एमसीडी के सामने आवेदन कर सकते हैं पशु प्रेमी पीठ ने कहा कि निर्धारित भोजन क्षेत्रों के पास नोटिस बोर्ड लगाए जाएंगे, जिनमें साफ लिखा होगा कि आवारा कुत्तों को केवल उन्हीं क्षेत्रों में खाना खिलाया जाएगा। पीठ ने कहा कि सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाते पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ संबंधित कानूनी ढांचे के तहत कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने आदेश दिया कि यदि किसी लोक सेवक को अपना कर्तव्य निभाने से रोका जाता है, तो वह इसके लिए उत्तरदायी होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि पशु प्रेमी कुत्तों को गोद लेने के लिए एमसीडी के सामने आवेदन कर सकते हैं।%ऐसे सभी मामले शीर्ष न्यायालय को हस्तांतरित कर दिए जाएंगे% इस मामले का दायरा पूरे भारत में बढ़ाते हुए पीठ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस मामले में पक्षकार बनाया और आवारा कुत्तों के मुद्दे पर विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं को अपने पास स्थानांतरित कर लिया। पीठ ने 11 अगस्त के निर्देश पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर यह आदेश पारित किया। पीठ ने मामले की सुनवाई आठ सप्ताह बाद निर्धारित की।इससे पहले शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी में आवारा कुत्तों के काटने से खासकर बच्चों में रेबीज होने की एक मीडिया रिपोर्ट पर 28 जुलाई को शुरू किए गए एक स्वत: संज्ञान मामले में अपना आदेश सुनाया था। सर्वोच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों की पीठ ने 11 अगस्त को कई निर्देश पारित किए थे, जिनमें दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद के अधिकारियों को सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को जल्द से जल्द पकड़ना शुरू करने और उन्हें आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया था।

भारत के शिखर पर पहुंचने तक किसी को आराम का अधिकार नहीं, केरल में बोले अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि शांति और विकास की दृष्टि से, जब भी देश का इतिहास लिखा जाएगा तब प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों के शासन को स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जाएगा।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है और उन्होंने देश के लोगों से आह्वान किया कि वे देश को दुनिया के हर क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें। हालांकि, उन्होंने इस बात पर निराशा भी जाहिर की कि केरल आज भी वहीं है जहां वह 11 साल पहले था, और उन्होंने कम्युनिस्ट विचारधारा के कारण पैदा हुए ठहराव को राज्य को पीछे धकेलने के लिए जिम्मेदार ठहराया।मोदी सरकार की तारीफ की केरल में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा %भारत लंबे समय तक आर्थिक अस्थिरता का शिकार रहा।

अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में, भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी। कांग्रेस सरकार अपने 10 वर्षों में केवल एक ही अच्छी बात कर पाई कि उन्होंने इसे 12वें स्थान पर नहीं जाने दिया। पिछले 11 वर्षों में, प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 11वें स्थान से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है।%शाह ने कहा, %जब तक हम शिखर पर नहीं पहुंच जाते और एक महान भारत का निर्माण नहीं कर लेते, तब तक किसी को भी आराम करने का अधिकार नहीं है।

जब आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने एक लक्ष्य रखा था कि आजादी के 75 से 100 वर्ष की इस यात्रा में, सभी 1.4 अरब नागरिक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें और देश को दुनिया के हर क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचाएं।%%केरल वहीं, जहां 11 साल पहले था% शाह ने आगे कहा कि शांति और विकास की दृष्टि से, जब भी देश का इतिहास लिखा जाएगा तब प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों के शासन को स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा, %फिर भी, मुझे खेद है कि भारत तो आगे बढ़ गया है, लेकिन केरल वहीं है जहां वह 11 साल पहले था। केरल में अपार अवसर हैं, लेकिन वामपंथी विचारधारा के कारण आए ठहराव ने इसके विकास को रोक दिया है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में, अपने मताधिकार का प्रयोग करके, केरल के लोग भी राष्ट्रीय विकास की यात्रा में शामिल होंगे।%

चुनाव से पहले लालू की पार्टी को झटका, पीएम मोदी के मंच पर नजर आए राजद के दो विधायक

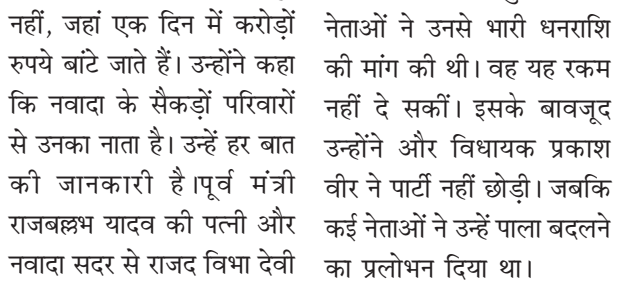

जदयू की ओर से कहा गया कि सीएम नीतीश कुमार बिना किसी भेदभाव के बिहार के सभी वर्गों को साथ लेकर एक न्यायपूर्ण समाज की आधारशिला रखी। वह सबको साथ लेकर चलते हैं। जदयू में सबका सम्मान किया जाता है। विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी को बड़ा झटका लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गया दौरे के दौरान नवादा से राष्ट्रीय जनता दल की वर्तमान विधायक विभा देवी और रजौली विधायक प्रकाश वीर पीएम मोदी के मंच पर दिखाई दिए। इसके बाद सियासी गलियारे में हड़कंप मच गया। दोनों विधायक जल्द ही सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड का दामन थामने जा रहे हैं। दोनों को विशेष तौर पर पीएम मोदी के मंच पर बुलाया गया था। हालांकि, जदयू की ओर से इसकी औपचारिक घोषणा अब तक नहीं की गई है। राजबल्लभ प्रसाद ने कभी वोट का सौदा नहीं किया जानकारी के मुताबिक, पूर्व राज्य मंत्री राजवल्लभ प्रसाद यादव की पत्नी विभा देवी लंबे समय से राजद से नाराज चल रही थीं। वहीं, प्रकाश वीर भी पार्टी में अपनी अनदेखी से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं। हाल में ही उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और राजद नेताओं पर कई आरोप लगाए थे। हाल में ही विभा देवी प्रेस वार्ता कर कहा था कि ने कहा कि उन्होंने, उनके जेठ कृष्णा प्रसाद, स्व. जेहल प्रसाद या जेल में बंद राजबल्लभ प्रसाद ने कभी वोट का सौदा नहीं किया। यह नवादा है, राघोपुर नहीं, जहां एक दिन में करोड़ों रुपये बांटे जाते हैं। उन्होंने कहा कि नवादा के सैकड़ों परिवारों से उनका नाता है। उन्हें हर बात की जानकारी है।पूर्व मंत्री राजबल्लभ यादव की पत्नी और नवादा सदर से राजद विभा देवी ने कहा कि तेजस्वी और उनके कुछ करीबी नेताओं द्वारा उनके और उनके परिवार पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उनके सम्मानित परिवार की छवि को खराब करने की कोशिश की जा रही है। विभा देवी ने कहा कि वह राजनीति में अपना सम्मान बेचकर नहीं आई हैं। उन्होंने कभी घूस नहीं ली और न ही भ्रष्टाचार किया। विभा देवी ने आरोप लगाया कि जब सरकार बनाने-बिगाड़ने का खेल चल रहा था, तब तेजस्वी के साथ रहने वाले उनके कुछ करीबी नेताओं ने उनसे भारी धनराशि की मांग की थी। वह यह रकम नहीं दे सकीं। इसके बावजूद उन्होंने और विधायक प्रकाश वीर ने पार्टी नहीं छोड़ी। जबकि कई नेताओं ने उन्हें पाला बदलने का प्रलोभन दिया था।

संपादकीय Editorial

Centre is not a 'police station'

Union Home Minister Amit Shah introduced the 130th amendment bill of the Constitution in the Lok Sabha. Serious and controversial provisions have been made in them. Actually, the basic principle of the Constitution is that until the court declares an accused as a criminal or guilty, the accused person is 'innocent', 'blameless', but the subject of the proposed bill is that if any Prime Minister, Union Minister, Chief Minister, State Government Minister remains in custody for 30 days, then on the 31st day he will become 'ineligible' for the constitutional post. He will have to resign or will be dismissed. The opposition has termed these provisions as anti-constitutional, anti-justice and anti-fundamental rights, so some opposition MPs have torn copies of the bill and thrown them towards the ruling party. It has also been termed as a 'demonic bill'. The Home Minister argues that this bill has been brought in view of morality and purification in the government and politics. This is half-truth, because many such leaders were included in the BJP, who had serious criminal cases pending against them, but later the agencies tarnished them. Such leaders are Chief Ministers, MPs, MLAs. However, in view of the uproar and opposition in Parliament, it was announced to send the Constitution Amendment Bill to the Joint Parliamentary Committee (JPC). The committee will have 21 MPs from Lok Sabha and 10 MPs from Rajya Sabha. Of course, more MPs will be from the ruling party, so one should not expect many amendments in the basic bill. The JPC has been asked to submit the report by the first day of the winter session of Parliament. Before analyzing the subject, it is worth noting the ADR report that about 46 percent of the MPs who were elected to the Lok Sabha in the 2024 parliamentary elections have serious criminal cases registered against them. In 2009, this average was 30 percent. The 'friend of the court' of the Supreme Court has told it that about 5000 criminal cases are still pending against MPs and MLAs. In view of this data, introducing such a Constitution Amendment Bill in Parliament is not expected and acceptable. In fact, the different roles of the central and state governments have been determined in the Constitution. Their rights have also been determined. The federal structure cannot be attacked. The central government cannot take the role of a 'police station'. It is possible that while making the bill, the example of former Delhi Chief Minister Kejriwal must have been in the minds of the central government and officials! Kejriwal was kept in jail for 177 days. Neither charges were framed against him in the court nor did any court declare him 'guilty'. Such laws should be amended. Jharkhand Chief Minister Hemant Soren was kept in jail for 5 months. Ultimately, he got bail, but till date no charge has been proved against him. Satyendra Jain, who was a minister in the Delhi government, was kept in jail for more than 2 years. Ultimately, the CBI presented a closure report in his case in the court and Jain was completely acquitted. Who will compensate for the 'innocence' of these jailed leaders? Kejriwal did not leave the post of Chief Minister while in jail and continued to run the government from jail. There is no such interpretation in the Constitution that the Chief Minister and Minister in jail should resign or the Governor should dismiss them. The government has also included the Prime Minister and the Union Minister in the proposed bill. This is drama. The question is how many Prime Ministers have been kept in custody for 30 days? While being the Prime Minister, PV Narasimha Rao was declared an 'accused' by the court. Why was he not sent to jail? Indira had to go to jail. If the law is implemented, the government of any opposition party can be toppled.

A historical mistake corrected, the obligation to honour any agreement in good faith is a fundamental requirement of that treaty

The Modi government took the courageous step of taking this tough decision keeping India's national interests at the centre. India can now develop a new approach keeping in mind its changed demographics, agricultural and irrigation needs and further accelerate the development of clean energy to meet its energy goals. On the occasion of Independence Day, Prime Minister Modi said from the ramparts of the Red Fort on the Indus Water Treaty that 'India has now decided that blood and water will not flow together. People have realised that the Indus Water Treaty was unjust. The water of the Indus river system continued to irrigate enemy lands, while our farmers continued to suffer.' This was not his first time of outrage. He has been speaking vehemently on this issue from many platforms. During the discussion on Operation Sindoor in the Lok Sabha, he had also said that 'India's national interests were repeatedly mortgaged by the then Prime Minister. Rivers like Indus and Jhelum, which were once synonymous with India's identity, were handed over to the World Bank for arbitration despite India having its own rivers and water. This was a betrayal of India's self-respect and cultural values.' After the Pahalgam terror attack, the first decision taken by the Indian government was to suspend the Indus Water Treaty. The decision to suspend the Indus Water Treaty is a bold decision that has never been taken before. Be it the war of 1965, 1971 or the Kargil conflict of 1999. This bold decision has proved India's thinking, tough action and strategy against terrorism to the world with complete clarity. The Indus Water Treaty was one of the historical mistakes and blunders committed in the early years of our independence. It was signed on 19 September 1960 in Karachi by the then Prime Minister Jawaharlal Nehru and the then President of Pakistan Ayub Khan as a symbol of goodwill. The Indus Water Treaty agreed in principle on the distribution of the Indus water system between Pakistan and India in the ratio of 80:20. Apart from Pakistan getting a major share from this system, the treaty allowed the waters of the three eastern rivers of Ravi, Beas and Sutlej for India's use and the waters of the three western rivers of Indus, Jhelum and Chenab for Pakistan's use. In addition, a transition period of 10 years was agreed during which Pakistan would build a system of link canals on the western rivers and this would be paid for by India. The cost was estimated at Rs 83.3 crore, which is about Rs 8,000 crore in today's terms. Apart from this, Pakistan was getting a grant of about Rs 400 crore with the participation of the World Bank. India needed more than Rs 100 crore to build its link canals, but it was getting only Rs 30 crore and that too as a loan. How unfortunate was this? Even at that time, there was widespread disapproval in the country against the signing of the treaty. While discussing the Indus Water Treaty in Parliament on November 30, 1960, Harish Chandra Mathur, Congress MP from Pali, Rajasthan, referred to a newspaper editorial on the Indus Water Treaty and said, "On almost every major point of dispute India has often yielded to the wishes of Pakistan at the cost of her own interests." The prevailing sentiment at that time was that India had given too many concessions to Pakistan without gaining anything in return. The sentiment among Congress MPs, cutting across party lines, was that the state of Rajasthan would be the most affected by the decision. Pandit Nehru seemed unconcerned and ridiculed members of the House for making an issue out of "a bucket of water". Dissatisfied with Pandit Nehru's reply, Atal Bihari Vajpayee had said that 'after signing the agreement, the President of Pakistan said that by accepting the process of joint inspection of river routes, India has in a way accepted the principle of joint control extended to the upper region of Chenab and Jhelum and joint control means joint occupation. This is not the way to establish goodwill and friendship. If Pakistan says something wrong or makes a wrong demand, it should be opposed. If this spoils the relationship, we can never build good relations.' Now, after six and a half decades, the decision to suspend the Indus Water Treaty is a bold decision. India's response shows that the obligation to honor a treaty in good faith is a fundamental requirement for any treaty. Pakistan's continued terrorism spoils the atmosphere of goodwill. Prime Minister Modi has reiterated on many forums that 'blood and water cannot flow together.' The idea of ??suspending the Indus Water Treaty was discussed many times before, such as after the 26/11 Mumbai terror attacks, but the decision could not be taken. The Modi government has taken the bold step of taking this tough decision keeping India's national interests at the centre. India can now develop a new approach keeping in mind its changed demographics, agriculture and irrigation needs and further accelerate the development of clean energy to meet its energy goals.

MSMEs should face the challenge, they will have to increase their strength in the global market

Our MSMEs can strategically increase their competitive power in the global market only by improving quality and adopting new technology. Since MSMEs are working as a strong engine of the economy, they should be given continuous support, training and technical assistance. Prime Minister Narendra Modi, in view of the challenge of Trump's tariff, called upon the countrymen to buy indigenous products and promote micro, small and medium enterprises (MSMEs) in every possible way, saying that the more we adopt indigenous products, the stronger the country will be. After this, the announcement of Services Tax (GST) simplification of Goods and benefit MSMEs on Independence Day will to move forward on a greatly. It is also necessary challenges of new strategy to solve the the backbone of the MSMEs, which are called direct impact of the country's economy. The tariff on Indian imposition of 50 percent Donald Trump has products by US President country's MSMEs. started showing on the of industry According to the estimates directly affect the organizations, this will of MSMEs. Sectors exports worth $ 30 billion chemicals and leather are expected to suffer more losses due to high tariffs. American buyers are shifting their export orders to India. Due to the challenges faced by MSMEs due to the increased tariffs, many jobs are also at risk. Many banks are hesitant to give loans. Apart from this, they also face challenges in digital infrastructure, skilled labour, market access, lack of funding, technology, supply chain, data security and skill development. Startups related to the IT sector face the challenge of practical guidance, access and initial investment. Enterprises like food processing face the challenge of quality reduction due to poor technology and weak logistics system. Irregular supply of energy and delay in payment from big companies are major obstacles in the development of MSMEs. The MSME sector plays an important role in production, export and employment. The MSME Minister recently told the Parliament that the 6.5 crore MSMEs registered in the country currently employ about 28 crore people. The contribution of MSMEs to the country's gross domestic product (GDP) is about 30.1 percent. MSMEs contribute 35.4 per cent to manufacturing and 45.73 per cent to exports. A wide range of multi-pronged measures aimed at strengthening the MSME sector presented in the current fiscal budget will have to be implemented expeditiously. This includes initiatives ranging from financial support and procurement policies to capacity building and market integration. The major initiatives include the Udyam Registration Portal, PM Vishwakarma Yojana and Public Procurement Policy for MSMEs. These are aimed at promoting entrepreneurship, increasing employment and integrating informal sectors into the formal economy. To help industries expand and improve efficiency, the investment and turnover limits for MSME classification have been increased. The target of loan to be given to MSMEs in the current financial year has been increased by about 20 per cent compared to last year. The government is moving ahead on the path of speeding up the implementation of the Export Promotion Mission of Rs 2,250 crore and providing loans without mortgage to support exporters. MSMEs will have to be given the benefit of policy support to upgrade their capabilities, streamline operations and deal with export shocks amid the tariff storm. New schemes to promote MSMEs, focus on ease of doing business, easy access to global markets, reduction in compliance burden, simplification of GST rates. MSMEs will have to move forward in both direct help and help through processes. The government will have to move forward afresh on ways to ease the business of MSMEs and increase domestic consumption. New supply chains and new markets will also have to be explored. Warehousing facilities in other countries and global branding initiatives are also necessary. It will also have to be noted that MSMEs should be provided financial relief and stability by measures such as strengthening infrastructure, more logistics facilities, relaunching schemes for providing loans at low interest rates and expanding loan guarantee programs. Expanding the Production-Linked Incentive (PLI) scheme in the interest of MSMEs will especially benefit export-oriented MSMEs. A new wave of innovation can write a new chapter for MSMEs. Our MSMEs can strategically increase their competitive strength in the global market only by improving quality and adopting new technology. Since MSMEs are working as a strong engine of the economy, they should be provided with continuous support, training and technical assistance. Along with all this, the MSME sector will have to prepare to move forward on the path of innovation, competition, capacity improvement and research. It should be hoped that the many announcements made by Prime Minister Modi, including GST reforms, will take shape quickly and effectively.

मुरादाबाद कमिश्नर आंजनेय सिंह की प्रतिनियुक्ति बढ़ने का संदेश वायरल, चर्चाओं का दौर जारी

मुरादाबाद कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह की प्रतिनियुक्ति एक साल बढ़ने का संदेश वायरल हो गया। शासन से अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 14 अगस्त को उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्होंने डीएम अनुज सिंह को चार्ज सौंपकर छुट्टी ले ली थी। मुरादाबाद कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह की प्रतिनियुक्ति एक साल बढ़ने का मैसेज तेजी से वायरल हो गया। इसके बाद कयासों का दौर तेज हो गया। विभागीय स्तर पर संबंधित कार्यालयों को ऐसा कोई आदेश प्राप्त नहीं होने की जानकारी सामने आई है।14 अगस्त को कमिश्नर की उत्तर प्रदेश में प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त हो गई थी। इसके बाद उन्होंने डीएम अनुज सिंह को चार्ज सौंपकर छुट्टी ले ली। बताया जाता है कि प्रदेश सरकार ने उनके कार्यकाल को आगे बढ़ाने की सिफारिश केंद्र सरकार से की है।इसी सिफारिश के आधार पर उनकी वापसी की चर्चाएं लगातार बनी हुई हैं। मगर अब तक औपचारिक मंजूरी जारी नहीं हुई है। संदेश वायरल होने के बाद मुरादाबाद मंडल के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारी भी इसकी पुष्टि में जुट गए। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी संदेश की सत्यता जानने के लिए संपर्क करते रहे। हालांकि संबंधित शाखाओं में कोई पत्र या नोटिफिकेशन प्राप्त न होने से अनिश्चितता बनी रही। प्रशासनिक प्रोटोकॉल के मुताबिक प्रतिनियुक्ति अवधि बढ़ाने के लिए केंद्र से मंजूरी के बाद शासनादेश जारी होता है। ऐसे आधिकारिक दस्तावेज आने के बाद ही कार्यभार और कार्यावधि स्पष्ट मानी जाती है। फिलहाल मुरादाबाद मंडल में चार्ज डीएम अनुज सिंह के पास है। रामपुर डीएम रहने के दौरान आए चर्चा में - 2005 के सिक्किम कैडर के आईएएस आंजनेय कुमार सिंह सपा शासनकाल में प्रतिनियुक्ति पर 16 फरवरी 2015 को पांच साल के लिए यूपी में आए थे। कुछ दिनों तक अन्य जिलों में सेवारत रहने के बाद शासन ने 2019 में उनकी तैनाती रामपुर डीएम पद के पद कर दी। फरवरी 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान सपा नेता आजम खां के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन की कार्रवाई और उसके आजम खां की ओर से की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर आंजनेय कुमार सिंह सुर्खियों रहे। उनके रामपुर डीएम रहते हुए ही कई केस दर्ज होने के बाद आजम खां को जेल जाना पड़ा। इस बीच 2000 में प्रतिनियुक्ति खत्म गई। केंद्र सरकार से पहली बार दो साल की प्रतिनियुक्ति विस्तार मिलने पर वह रामपुर के डीएम बने रहे। इस दौरान शासन ने 2021 में प्रोन्नति करने के बाद आंजनेय कुमार सिंह को मुरादाबाद का कमिश्नर बना दिया। इसके बाद छह-छह माह की प्रतिनियुक्ति अवधि बढ़ाई गई। वहीं 14 अगस्त को तीसर बार उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो गई। इसके बाद डीएम अनुज कुमार सिंह को कमिश्नर का प्रभार देकर वह छुट्टी पर चले गए।

मजदूर की पीटकर हत्या: दो सिपाही निलंबित, सुरक्षा के नाम पर रुपये लेने वाले पर एफआईआर, संभल एसपी ने की कार्रवाई

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने जुनावई थाना क्षेत्र में मजदूर योगेश की हत्या मामले में लापरवाही

बरतने पर सिपाही विनीत कुमार और लवकेश को निलंबित कर दिया है। जांच में सामने आया कि मजदूरों से सुरक्षा के नाम पर एक सिपाही ने एक हजार रुपये भी लिए थे। एक सिपाही के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है। जुनावई थाना क्षेत्र में मजदूर योगेश उर्फ दुर्गेश की पीट-पीट कर हत्या के मामले में लापरवाही बरतने पर बबराला थाना के सिपाही विनीत कुमार और 112 के सिपाही लवकेश पर कार्रवाई की गाज गिर गई है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने दोनों सिपाहियों पर निलंबन की कार्रवाई करते हुए सिपाही विनीत के खिलाफ मजदूरों से एक हजार रुपये लेने के मामले में मुकदमा दर्ज करने के आदेश थाना बबराला पुलिस को दिए हैं।बता दें कि थाना क्षेत्र के नगला अजमेरी के रहने वाले भुवनेश और योगेश उर्फ दुर्गेश दोनों भाई गुन्नौर थाना क्षेत्र रसूलपुर ढाय के रहने वाले ठेकेदार श्रीनिवास की सूचना पर एक दर्जन लेवर और मिक्सचर मशीन के साथ 18 अगस्त दिन सोमवार को बबराला में बंटी नाम के व्यक्ति के मकान पर लिंटर डालने गए थे।शाम को लिंटर डालने के बाद मजदूरी के पैसे मांगने पर ठेकेदार ने भुवनेश और योगेश पर गुन्नौर में दो दिन पहले डाले गये लिंटर को गलत बताते हुए पैसे देने से इन्कार कर दिया था। इसको लेकर दोनों तरफ से झगड़ा होने पर चालक धर्मवीर के द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से 112 पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया था। मौके पर पहुंची 112 पुलिस सभी को लेकर थाना बबराला पहुंची। जहां मौके पर मिले सिपाही विनीत ने मजदूरों को सुरक्षित पहुंचने का जिम्मा लिया था और एक हजार रुपये भी मजदूरों से सिपाही द्वारा लिए जाने की बात सामने आई थी। सिपाही विनीत कुमार और 112 की पुलिस मजदूरों को रास्ते में सेंजना मुस्लिम गांव के नजदीक छोड़ कर पीछे को लौट गई। तभी ठेकेदार श्रीनिवास अपने दो दर्जन भर साथियों के साथ सेंजना मुस्लिम गांव से निकलते ही नगला अजमेरी गांव के मजदूरों पर लाठी-डंडों व लोहे की सरिया से पिटाई की। पीट-पीट कर योगेश की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस अधीक्षक के आदेश पर एसपी दक्षिणी अनुकृति शर्मा के द्वारा सिपाही विनीत कुमार व सिपाही लवकेश ओर मृतक के भाई भुवनेश के बयान लिए और रिपोर्ट एसपी को सौंप दी। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि लापरवाही बरतने पर दोनों सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही सुरक्षा के नाम पर पैसे लेने के मामले में सिपाही विनीत कुमार के खिलाफ थाना बबराला में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

उपभोक्ता अदालत के आदेश कांग्रेस नेता की पत्नी की प्रॉपर्टी सील, 32 लाख बकाया जमा न करने पर कार्रवाई

कांग्रेस नेता सचिन चौधरी की पत्नी के नाम पर बुद्धि विहार स्थित आराध्यम विजनेस सेंटर को बकाया न चुकाने पर उपभोक्ता अदालत के आदेश से जिला प्रशासन ने सील कर दिया। अदालत ने आराध्यम इंफ्रा बिल्डर्स लिमिटेड पर बकाया बताते हुए वसूली वारंट जारी किया था। राशि जमा न होने पर संयुक्त मजिस्ट्रेट के निर्देश पर एसडीएम टीम ने कार्रवाई की।मुरादाबाद में 35 लाख रुपये बकाया के आरोप में उपभोक्ता अदालत के आदेश पर जिला प्रशासन ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता सचिन चौधरी की पत्नी आभा चौधरी के नाम पर बुद्धि विहार स्थित आराध्यम विजनेस सेंटर को सील कर दिया है। बृहस्पतिवार को संयुक्त मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम सदर राममोहन के निर्देश पर तहसील के कर्मचारी बुद्धि विहार स्थित अपार्टमेंट पर पहुंचे और नोटिस चस्पा करते हुए बिल्डिंग को सील कर दिया।नोटिस में लिखा गया है कि सरकारी बकाया के आरोप में आराध्यम इंफ्रा बिल्डर्स लिमिटेड को सील किया जाता है। यदि सील को अग्रिम आदेश तक खोला जाता है तो उसे दंडनीय अपराध माना जाएगा। एसडीएम ने बताया जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में शिवानी बनाम आराध्यम इंफ्रा बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड का केस चल रहा था।अदालत ने सुनवाई के बाद बिल्डर्स पर 35.58 लाख रुपये बकाया बताते हुए वसूली के लिए वारंट जारी किया था। प्रबंधक के घर का पता पहले मानसरोवर कॉलोनी और वर्तमान पता सुपरटेक कॉलोनी पाकबड़ा दर्शाया गया है। अदालत ने आराध्यम के प्रबंधक को चार अप्रैल 25 तक बकाया भुगतान जिला उपभोक्ता आयोग के खाते में करने का आदेश दिया था। फिर भी आराध्यम संस्था के प्रबंधक ने भुगतान नहीं किया है। पहले ही बेच थी दुकानें, राजनीतिक षड्यंत्र के तहत हुई कार्रवाई ⁼ आभा चौधरी आराध्यम बिजनेस सेंटर बुद्धि विहार की एमडी एवं कांग्रेस नेता सचिन चौधरी की पत्नी आभा चौधरी का कहना है कि 2017 में आवास विकास प्राधिकरण से नक्शा पास कराने के बाद 2018 तक पूरा कॉम्प्लेक्स ग्राहकों को बेच दिया गया था। उनकी कंपनी आराध्यम इन्फ्रा बिल्डर का ऑफिस गाजियाबाद में है। सभी दुकानों की रजिस्ट्री पहले ही कर दी थी। कहा कि यह कार्रवाई राजनीतिक षड्यंत्र के तहत की गई है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को एसडीएम सदर पुलिस के साथ आए थे और ग्राहकों के ऑफिस पर एक खाली पर्चा लगाकर सील किया गया है। आरोप लगाया कि ग्राहकों को धमकाया गया और गाली-गलौज भी की गई। डरा धमका कर उनके ऑफिस के सामान की सूची बनाकर कहा गया कि सभी सामानों की नीलामी होगी। चुनाव लड़ने के बाद शुरू हुआ राजनीतिक षड्यंत्र आभा चौधरी का तर्क है कि उनके पति सचिन चौधरी 2019 में लोकसभा का चुनाव लड़े हैं। इसके बाद से ही पति के खिलाफ आए दिन कोई न कोई मुकदमा दर्ज होता है। मेरे परिवार के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र किया जा रहा है। मुझे विश्वास है यह सब ज्यादा दिन नहीं चलेगा। सरकार बदलेगी तो समय बदलेगा। वहीं कांग्रेस नेता सचिन चौधरी का कहना है कि उन्होंने बिल्डर्स कंपनी से 2016 में त्याग पत्र दे दिया था। बुद्धि विहार स्थित आराध्यम बिजनेस सेंटर में कांग्रेस का या मेरा कोई कार्यालय भी नहीं है। मेरे परिवार को राजनीतिक द्वेष भावना के चलते परेशान किया जा रहा है। मुझे कमजोर कर डराने की कोशिश की जा रही है।

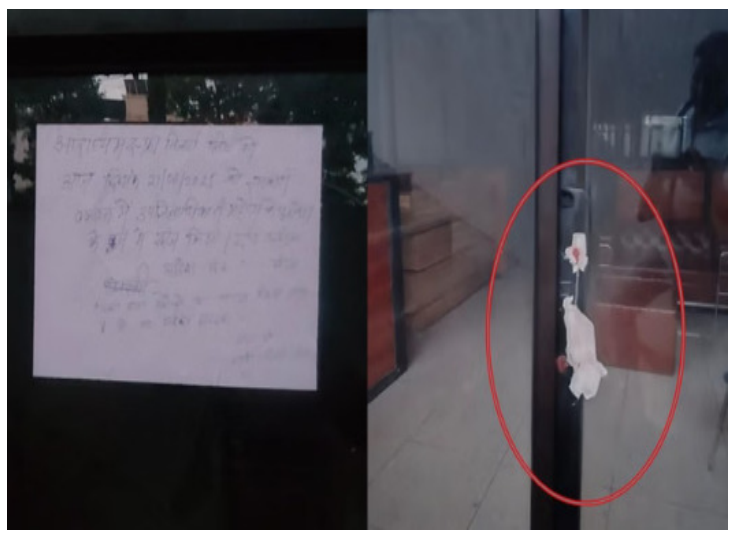

सिक्सलेन होगा मुरादाबाद-बरेली हाईवे, एनएचएआई ने प्रस्ताव बनाकर भेजा, खत्म होगी ब्लैक स्पॉट की समस्या

मुरादाबाद-बरेली हाईवे को फोरलेन से सिक्सलेन करने की तैयारी शुरू हो गई है। 121 किमी लंबे इस मार्ग का सर्वे एनएचएआई ने कर प्रस्ताव परिवहन मंत्रालय को भेजा है। वाहनों का दबाव देखते हुए यह फैसला लिया गया है। आने वाले समय में मुरादाबाद-बरेली हाईवे पर सफर और आसान हो जाएगा। दिल्ली हाईवे की तरह मुरादाबाद-बरेली हाईवे को भी सिक्सलेन किया जाएगा। 121 किमी लंबा यह हाईवे अभी फोरलेन है। वाहनों के बढ़ते दबाव को देखते हुए एनएचएआई ने इसको सिक्सलेन करने का प्रस्ताव केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय को भेजा है।परिवहन मंत्रालय के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर एनएचएआई की टीम ने मुरादाबाद से बरेली तक 121 किमी हाईवे का सर्वे किया। इसके बाद अधिकारियों की एक अन्य टीम ने इस फोरलेन हाईवे को सिक्सलेन करने का प्रस्ताव तैयार किया। तर्क दिया गया कि मुरादाबाद से बरेली हाईवे पर वाहनों का काफी दबाव बना रहता है। इसमें रामपुर के कुछ स्थानों पर सड़क की दिशा बदलनी होगी। फोरलेन का निर्माण करने से पहले एनएचएआई ने सिक्सलेन के लिए जमीन अधिग्रहित कर लिया था। इस कारण अब विभाग जमीन अधिग्रहीत करने की ज्यादा समस्या आड़े नहीं आएगी। इस मार्ग के निर्माण में हजारों करोड़ धन खर्च होने का अनुमान लगाया जा रहा है। अत्याधुनिक होगा सिक्सलेन, खत्म होगी ब्लैक स्पॉट की समस्या देश के अन्य शहरों की तरह मुरादाबाद-बरेली हाईवे को अत्याधुनिक बनाया जाएगा। इस मार्ग पर कैमरे, फ्लाईओवर के अलावा अन्य प्रकार की यात्री सुविधाएं रहेंगी। एनएचएआई के अधिकारियों का कहना है कि सिक्सलेन सड़क बनने से ब्लैक स्पॉट की समस्याएं भी समाप्त हो जाएंगी। सड़क की इंजीनियरिंग काफी दुरुस्त की जाएगी। 2017 में बनाया गया था फोरलेन मुरादाबाद-बरेली हाईवे (एनएच-24) 2017 में बनकर तैयार हो गया था। इससे पहले यह हाईवे टूलेन था। यह हाईवे दिल्ली को लखनऊ से जोड़ता है। इस रोड को बनाने के लिए एनएचएआई 2010 से प्रयासरत था। हर दिन गुजरते हैं 35 हजार वाहन एनएचएआई के अधिकारियों का कहना है कि हाईवे पर वाहनों का दबाव अधिक होने के कारण मुरादाबाद-बरेली हाईवे को सिक्सलेन करने का विचार किया गया है। दस साल बाद इस मार्ग पर वाहनों का दबाव और अधिक बढ़ेगा। शासनादेश के तहत फोरलेन हाईवे के लिए 10 पीसीयू (पैसेंजर कार यूनिट) का दबाव होना चाहिए। वहीं सिक्सलेन के लिए 20 हजार पीसीयू मान्य है लेकिन मुरादाबाद-बरेली मार्ग का पीसीयू 35 हजार है। औसतन इस मार्ग पर 35 हजार वाहन प्रतिदिन गुजरते हैं। इस कारण हाईवे को सिक्सलेन करना जरूरी हो गया है। मुरादाबाद-बरेली हाईवे को सिक्सलेन करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। इस प्रस्ताव के मंजूर होने पर डीपीआर तैयार किया जाएगा। सिक्सलेन बनने पर सफर आसान हो जाएगा। - अरविंद कुमार, पीडी, एनएचएआई मुरादाबाद व गाजियाबाद

संक्षिप्त समाचार

युवती को किया अगवा.. विरोध पर परिजनों को पीटा, अब मुरादाबाद पुलिस कर रही यह कार्रवाई

गलशहीद थाना क्षेत्र में युवती को बहला-फुसलाकर अगवा करने और परिजनों पर हमला करने का मामला सामने आया है। युवती के पिता ने पांचों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। गलशहीद थानाक्षेत्र में रहने वाली युवती को युवक बहला फुसलाकर अगवा कर ले गया। पीड़िता के पिता ने आरोपी के घर वालों से शिकायत की तो वह भड़क गए। आरोप है कि आरोपी के घर वालों ने युवती के परिवार पर हमला कर दिया। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों पर केस दर्ज किया है।गलशहीद थाने में दर्ज कराए केस में युवती के पिता ने बताया कि गलशहीद के मोहल्ला सीधी सराय निवासी अहद उसकी बेटी के साथ आए दिन छेड़खानी करता था। इसकी शिकायत करने पर आरोपी के परिजनों ने पीड़िता और उसके परिजनों के साथ मारपीट की।18 अगस्त की दोपहर युवती घर से बाहर गई थी लेकिन वह वापस नहीं आई। युवती के पिता का दावा है कि इसी बीच एक परिचित ने बताया कि उसकी बेटी को अहद, उसका भाई अनस, मां नौशीना, बहन इलमा और आसिफ उर्फ शानू ले गए हैं। इसकी जानकारी मिलने पर पिता आरोपी के घर पहुंचा और बेटी को वापस दिलाने की मांग की। उन्होंने आश्वासन दे दिया है कि शाम तक युवती वापस करा दी जाएगी लेकिन युवती वापस नहीं कराई। आरोप है कि इसके बाद आरोपी के परिजन पीड़िता के घर पहुंच गए और युवती के पिता व अन्य परिजनों के साथ मारपीट की। गलशहीद थाना प्रभारी सौरभ त्यागी ने बताया कि पांच लोगों पर केस दर्ज किया गया है।

गोशाला की आड़ में पिंकी कर रही थी देह व्यापार, शाम ढलते ही आने लगते थे ग्राहक; महिला समेत चार पर केस

कांशीराम नगर में गोशाला की आड़ में पिंकी देह व्यापार का धंधा चला रही थी। उसके घर में लड़कियों को देखकर लोग पूछताछ करते थे तो वह बताती थी कि गोशाला में काम कराने के लिए इन्हें यहां रखा है जबकि शाम ढलते ही उसके घर में लोगों का आना-जाना शुरू हो जाता था।मझोला के कांशीराम नगर में गोशाला की आड़ में देह व्यापार करने का मामला सामने आया है। गिरोह की चंगुल से निकलकर भागकर वन स्टॉप सेंटर पहुंचीं तीनों लड़कियों से यहां देह व्यापार कराया जा रहा था। हरकत में आई पुलिस ने बाल कल्याण समिति और वन स्टॉप सेंटर में पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली। सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष अमित कौशल ने आरोपी महिला पिंकी, सचिन, विजय ठाकुर और अवनीश के खिलाफ केस दर्ज कराया है।पुलिस ने कांशीराम नगर में दबिश देकर एक महिला समेत तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। इस दौरान पुलिस को एक और किशोरी मिली है। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अमित कौशल ने दर्ज कराए केस में बताया कि जीआरपी ने बिहार के मधुबनी जिले के फूलब्रास थानाक्षेत्र की रहने वाली एक किशोरी को समिति के सामने पेश किया। 19 अगस्त को किशोरी की काउंसलिंग की गई जिसमें उसने बताया कि करीब तीन माह पहले वह घर से नाराज होकर निकल आई थी। वह ट्रेन में बैठकर दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी तो वहां से सचिन नाम का युवक काम दिलाने के बहाने उसे मुरादाबाद के कांशीराम नगर में पिंकी नाम की महिला के घर ले आया। जहां सचिन, अवनीश और विजय ठाकुर ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने यह भी बताया कि उसके अलावा अन्य लड़कियां और महिला भी आरोपी पिंकी के मकान में बंधक हैं। उनके साथ भी दुष्कर्म किया जाता है। इसकी जानकारी मिलने पर बृहस्पतिवार की सुबह एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह, सीओ कुलदीप कुमार गुप्ता मझोला थाने की पुलिस के साथ बाल कल्याण समिति और वन स्टॉप सेंटर पहुंच गए। महिला पुलिस कर्मियों ने किशोरी और अन्य दो युवतियों से भी पूछताछ की तो उन्होंने आपबीती सुनाई। जानकारी करने के बाद तीनों लड़कियों को साथ लेकर पुलिस ने कांशीराम नगर में कई घरों में दबिश दी। पुलिस ने एक महिला समेत दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। इनके चंगुल से पुलिस ने एक किशोरी को बरामद किया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि सीडब्लूसी के अध्यक्ष अमित कौशल की तहरीर पर आरोपी महिला पिंकी, सचिन, विजय ठाकुर और अवनीश के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 70 (1) 70 (2)115 (2) 352 और पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया गया है। कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। सुबह जम्मूतवी कोलकाता एक्सप्रेस ट्रेन में टीटीई जितेंद्र सिंह को एक किशोरी और दो युवतियां बिना टिकट मिलीं थीं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

एसएसपी ने चार थानों के प्रभारियों को किया इधर से उधर , दो को किया लाइन हाजिर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सावन माह व आला हजरत उर्स के बाद एसएसपी अनुराग आर्य ने जिले में चार थानों के प्रभारी की जिम्मेदारी बदल दी गई है। जोगी नवादा में बेहतर माहौल करने का इनाम दो चौकी प्रभारियों को मिला है, वहीं भमोरा व शाही थाना प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया गया है। एसएसपी ने शाही थाना प्रभारी अमित कुमार व भमोरा थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा को लाइन हाजिर कर दिया है।इनमें अमित कुमार को दूसरे जिले में ट्रांसफर की वजह से रिलीव कर दिया गया हैं। जोगी नवादा चौकी के प्रभारी धर्मेंद्र कुमार विश्नोई को शाही थाने का वरिष्ठ उप निरीक्षक बनाया गया है। माना जा रहा है कि फिलहाल धर्मेंद्र ही थाना प्रभारी पद की जिम्मेदारी देखेंगे। वहीं बारादरी थाने की चौकी जगतपुर के प्रभारी सनी चौधरी को भमोरा थाने की जिम्मेदारी मिली है। सनी चौधरी और धर्मेंद्र दोनों ने ही जोगी नवादा में माहौल बेहतर बनाने के साथ ही कई गुडवर्क किए थे। सीबीगंज थाने के इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार को फतेहगंज पश्चिमी थाने का प्रभारी बनाया गया है, वहीं फतेहगंज पश्चिमी थाने के इंस्पेक्टर सुरेंद्र पाल सिंह को सीबीगंज थाने की जिम्मेदारी दी गई है।

श्री हरि मंदिर के वार्षिक महोत्सव में श्रीमद भागवत कथा में गौ माता की सेवा का वर्णन किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाउन, बरेली के 65 वा विराट भक्ति वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत श्रीमद भागवत कथा के पंचम दिवस विद्वान ब्राह्मणों द्वारा सर्वप्रथम नवग्रह और श्रीमद भागवत जी का विधिवत पूजन किया गया तत्पश्चात पठानकोट से पधारे श्री अतुल कृष्ण महाराज ने कथा श्रवण कराते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्णा लीला पुरुषोत्तम है,और भगवान की प्रत्येक लीला में मनुष्य जीवन का परम कल्याण छुपा है। श्री कृष्णा गौ माता सेवा करते हुए समस्त मानव जाति को परम सुख प्राप्त करने के लिए, गौ माता की सेवा करते हुए, सेवा करने की प्रेरणा दी क्योंकि गौ से ही धर्म राष्ट्र संस्कृति और मानव की रक्षा एवं उत्थान संभव है,क्योंकि वेद वाक्य कहता है कि भारत माता के तीन विधाता, संत सनातन,और गौ माता है। पठानकोट से पधारे भागवत भूषण पूज्य पंडित अतुल कृष्ण शास्त्री जी ने कहा की गौ माता की सेवा केवल धार्मिक मान्यताओं से ही नहीं, वैज्ञानिक आधार पर भी हमारे स्वास्थ्य के लिए भी सर्वोत्तम है इसलिए समस्त मानव जाति को गौ रक्षा के लिए समर्पित होना चाहिए, जो गौ माता की तस्करी करते हैं पशु तस्करों को फांसी की सजा होनी चाहिए ताकि फिर ऐसा कदम ना उठा सके। धर्म की रक्षा हो, गौ माता की रक्षा हो। आज की कथा में श्री गिरिराज गोवर्धन पूजा में ठाकुर जी को छप्पन भोग लगाए गए बहुत ही सुंदर गिरिराज की झांकी के दर्शन श्रद्धालुओं ने किए । गिरिराज धारण मे तेरी शरण गाते हुए हजारों की संख्या में आए भक्तों ने गिरिराज भगवान की पूजा की और प्रसाद ग्रहण किया। सचिव रवि छाबड़ा जी ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा 24 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से 10 बजे तक होगी।आप सभी सादर सपरिवार आमंत्रित हैं। आज के कार्यक्रम में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, सचिव रवि छाबड़ा ,अश्विनी ओबेरॉय, संजय आनंद, गोविंद तनेजा,रंजन कुमार,अनिल चड्ढा,कुल सचिव राय, हरीश लुनियाल,कथा के यजमान सुप्रिया अंकित अग्रवाल, शुभ अनुज अग्रवाल शीशगढ़ वाले आदि उपस्थित रहे । महिला सेवा समिति की अध्यक्ष रेनू छाबड़ा, कंचन अरोड़ा,नेहा आनंद,सीमा तनेजा,रपूनम अरोरा, नीलम साहनी,नीलम साहनी आदि उपस्थित रही और भागवत जी की आरती उतारी।

संकट में साथ: बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिलाया भरोसा।

क्यूँ न लिखूँ सच / लालपुर/ बांसखेड़ा (शिवपुरी)। लगातार बारिश से प्रभावित कोलारस तहसील के बाढ़ग्रस्त गांवों का दौरा करने आज शुक्रवार को केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया पहुंचे। उन्होंने लालपुर और बांसखेड़ा सहित संगेश्वर, लगदा आदि गांवों में जाकर बाढ़ पीड़ित परिवारों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। सिंधिया ने कहा- मैं आपका नेता नहीं, परिवार का सदस्य हूँ और पिछले 25 वर्षों से आपके बीच कार्य कर रहा हूँ। संकट की इस घड़ी में आप अकेले नहीं हैं, हमारी सरकार हर कदम पर आपके साथ खड़ी है। दौरे के दौरान सिंधिया ने लिलवारा गांव के साहसी युवा गिरिराज प्रजापति को नया ट्रैक्टर भेंट कर सम्मानित किया। हाल ही में बाढ़ के समय गिरिराज ने अपने पुराने ट्रैक्टर की मदद से कई ग्रामीणों की जान बचाई थी, लेकिन इस दौरान उसका ट्रैक्टर बर्बाद हो गया था। सिंधिया ने महज 12 घंटे में गिरिराज को नया ट्रैक्टर उपलब्ध कराकर अपना वादा निभाया। उन्होंने कहा- यह मेरा बेटा है, भारत को ऐसे ही सपूतों की जरूरत है। जुग-जुग जियो गिरिराज। सिंधिया ने बाढ़ दुर्घटना में जान गंवाने वाली महिला दुर्गेश दांगी के घर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने बताया कि अब तक कोलारस के प्रभावित गांवों में लाखों की आर्थिक सहायता राशि वितरित की जा चुकी है। ग्राम संगेश्वर = ?39 लाख 30 हजार, ग्राम लगदा = ?21 लाख 23 हजार, ग्राम लालपुर = ?30 लाख 10 हजार, ग्राम बाँसखेड़ा = ?15 लाख 40 हजार। इसके अलावा अनाज, तिरपाल और आवश्यक सामग्री भी प्रभावितों तक पहुँचाई गई। इस मौके पर जिले के प्रभारी एवं ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, विधायक कोलारस महेंद्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव, पूर्व मंत्री सुरेश राठखेड़ा, कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में ट्रिपल इंजन सरकार जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हर प्रभावित परिवार तक त्वरित मदद पहुंचा रही है।

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया ।

सड़क निर्माण की जांच में नगर आयुक्त को मिलीं खामियां चार एजेंसियों को नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर में चल रहे विकास कार्यों में देरी और गुणवत्ता में खामियां मिलने पर नगर आयुक्त संजीव कुमार ने सख्ती दिखाई तो आनन-फानन में मुख्य अभियंता ने चार कार्यदायी एजेंसियों को नोटिस जारी कर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। आपको बताते चलें कि, शहर में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनकैप) के तहत सड़क, नाली निर्माण समेत अन्य कार्य चल रहे हैं। इनका नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता, सहायक अभियंता समेत कार्यदायी संस्था के ठेकेदारों साथ निरीक्षण किया। नगर आयुक्त संजीव कुमार ने फिनिक्स मॉल रोड से चिक्कर स्कूल रोड रीजनल कालेज ब्वायज वर्ल्ड होते हुये हॉटमिक्स सड़क व साइड पटरी के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिया टूटी मिलने पर कार्यदायी संस्था कैलाश कंस्ट्रक्शन को नोटिस जारी कर पुलिया शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं, छोटी विहार से बाजार जाहिद चिकन होते हुए पीलीभीत रोड तक और अकांक्षा इन्कलेव में मुंशीनगर होते हुए सौ फुटा रोड तक दोनों ओर सड़क साइड पटरी पर स्थायी अतिक्रमण, नाले की ढाल के कार्य में लापरवाही पर लविश अग्रवाल कंस्ट्रक्शन को नोटिस दिया गया।मूर्ति नर्सिंग होम से धर्मकांटा चौराहे तक सड़क के दोनों ओर सीसी टाइल्स और सड़क पटरी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। इसमें दो जगहों पर टाइल्स बैठने पर निरंजन कुमार एजेंसी और पुलिस लाइन में वीआईपी रूट व सर्विस रोड के निरीक्षण में दो जगहों पर हॉटमिक्स की सतह क्षतिग्रस्त मिलने और सर्विस रोड की चार टाइल्स बैठने पर राजीव कंस्ट्रक्शन को तीसरी और अंतिम नोटिस जारी कर दिया है। नगर आयुक्त ने कहा कि शहर में चल रहे विकास कार्यों की हकीकत परखने के लिए अभियान जारी रहेगा। नोटिस के बाद काम में सुधार नहीं करने वाली फर्म पर भारी जुर्माना लगाने के साथ फर्म को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी। मुख्य अभियंता को भी निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जानने को वह भी निरीक्षण करते रहें।

वाहन चोरी की घटना से सम्बन्धित वांछित/ पुरस्कार घोषित 03 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) एवं क्षेत्राधिकारी पाण्डेय व प्रशिक्षु एन.डी. मिश्रा के रिसिया पुलिस व संयुक्त टीम द्वारा घटना से पुरस्कार घोषित 03 गया गिरफ्तार व देशी तमंचा .12 बोर, 02 जिंदा कारतूस .12 बोर, 02 मोबाइल व नगदी आदि बरामद । अनावरण-थाना रिसिया पुलिस व स्वॉट/सर्विलांस की संयुक्त टीम द्वारा दिनांक 21.08.2025 को मु0अ0सं0 85/2025 धारा 309(6), 352, 317(4) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तों की तलाश व संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की चेकिंग थाना रिसिया क्षेत्रान्तर्गत बलिदान पुरवा मोड़ के पास की जा रही थी। मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि थाना रिसिया क्षेत्र में हुई लूट की घटना से सम्बन्धित अभियुक्त 02 मोटरसाइकिलों से बहराइच की तरफ से आ रहे हैं कुछ देर बाद बहराइच की तरफ से मोटरसाइकिलें आते हुये दिखाई दी दोनों मोटरसाइकिल को चेकिंग के दौरान घेर कर रोक लिया गया पहली मोटरसाइकिल जिस पर दो लोग बैठे थे से पूछताछ किया गया मोटरसाइकिल चालक ने अपना नाम शिवम पाठक पुत्र अमरीश पाठक निवासी पंडितपुरवा कोदही थाना बौण्डी तथा पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम शहादत अली पुत्र शाहिद अली निवासी डिहवा शेरबहादुरसिहं थाना कैसरगंज बताया दोनों की जामा तलाशी के दौरान शिवम पाठक के कब्जे से एक मोबाइल व 250/- रुपया जबकि शहादत अली के कब्जे से 01 अदद तमंचा .12 बोर, 02 अदद जिंदा कारतूस व 400/- रुपया बरामद हुआ वही दूसरी मोटरसाइकिल के चालक का नाम पता पूछा गया तो अपना नाम राशिद पुत्र नूरुल हसन निवासी रामजानकी नगर थाना इंदिरा नगर बताया तलाशी ली गई तो 01अदद एंड्रॉयड मोबाइल फोन नीला रंग व 310/- रुपया बरामद हुआ। तीनों पकड़े गये व्यक्तियों से कड़ाई से पूछताछ के दौरान शिवम पाठक द्वारा बताया गया कि दिनाँक 19.04.2025 को मैं तथा दीवान सिंह, शहादत अली व योगेश उर्फ राहुल चारों लोग आसाम रोड पर मिलकर सरिया मिल के पास ई रिक्शा चालक से 5000रुपये तथा मोबाइल फोन छीने थे। शिवम पाठक, शहादत अली व राशिद अली से कड़ाई से पूछताछ की गई तो तीनों व्यक्तियों द्वारा बताया गया कि हम लोग चोरी की मोटरसाइकिल आसाम रोड पर बहराइच की तरफ कुछ दूर आगे एक बन्द पड़े भट्टे में रखे हैं। जिसको आज हम लोग बेचने हेतु नेपाल ले जाने के लिये साधन खोजने हेतु जा रहे थे । पुलिस व स्वॉट की संयुक्त टीम तीनों व्यक्तियों के साथ उक्त स्थान पर आई जहां पर इनके द्वारा चोरी की 10 मोटरसाइकिल छिपाकर रखी गई थी जिन्हें बरामद किया गया तथा तीनों द्वारा बताया गया कि जिन 02 मोटरसाइकिलों से हम लोग जा रहे थे वे भी चोरी की हैं इस प्रकार कुल 12 मोटरसाइकिल बरामद की गई। तीनों द्वारा यह भी बताया गया कि हम लोग अलग-अलग स्थानों तथा बहराइच तथा आस-पास के जिलों से मोटरसाइकिल चोरी कर एक जगह एकत्र कर देते हैं और मौका पाकर मोटरसाइकिलों को नेपाल ले जाकर बेच देते हैं। तीनों व्यक्तियों को बरामद माल के साथ पुलिस हिरासत में लिया गया। तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध थाना स्थानीय पर बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 222/2025 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 319(2), 318(4) बीएनएस पंजीकृत किया गया व थाना रिसिया में पंजीकृत मु0अ0सं0 85/2025 धारा 309(6), 352, 317(2) बीएनएस में शिवम पाठक तथा शहादत अली के वांछित अभियुक्त हैं जिसमें पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा शिवम पाठक पर 20000/- रूपये व अभियुक्त शहादत अली पर 15000/- रूपये पुरस्कार घोषित किया गया था ।

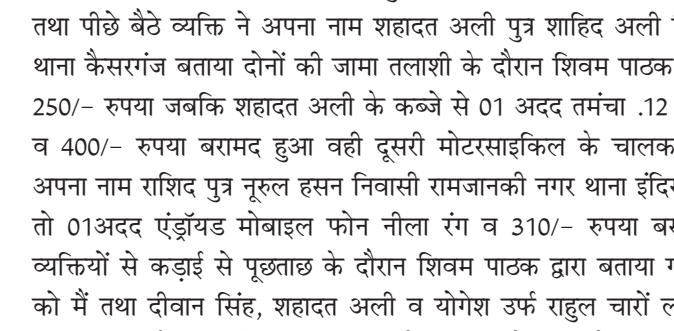

डिलारी में क्रॉप सर्वे करने के विरोध में पंचायत सहायकों ने सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी- विकास खण्ड डिलारी के ग्राम सचिवालय में कार्यरत पंचायत सहायकों ने शुक्रवार को विकास खण्ड डिलारी में ए डी ओ प्रभारी ज्ञापन सोपा। इसमें क्रॉप सर्वे इसमें पंचायत सहायकों ने विभाग एवं ग्राम विकास में ही काफी परेशानी होती है नहीं हैं। क्योकि संसाधन नहीं समस्या होगी और क्योंकि पर जाना होगा जिस पर पंचायत सचिवालय बंद हो जाएगा जिस कारण ग्राम वासियों को जन समस्या की सुविधाओं के लिए दर-दर भटकना पड़ेगा। सर्वे ड्यूटी की वजह से ग्राम सचिवालय में विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र के न बनने और खसरा खतौनी आदि के कार्य बाधित होंगे। इससे आम जन का नुकसान होगा। वही पंचायत सहायकों ने क्रॉप सर्वे से हटाए जाने की मांग की है । इस दौरान कल्पना, निशा ,आदेश कुमार ,ज्योति, शाइन, स्नेहा, शिखा नबाब हुसैन आदि उपस्थित रहे। खण्ड विकास अधिकारी को ड्यूटी का विरोध किया गया। कहा कि हमे पंचायती राज विभाग के कार्यो को करने ऐसे में क्रॉप सर्वे करना आसान होने से भी क्रॉप सर्वे में क्रॉप सर्वे करने के लिए खेतों

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

तीन बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार , फर्जीवाड़ा कर बनवाए पासपोर्ट, विदेश यात्राओं का भी किया टूर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बांग्लादेशी नागरिक महिला ने प्रेमनगर क्षेत्र के मौलानगर में रहकर फर्जीवाड़ा कर दो पासपोर्ट बनवा लिए और विदेश यात्रा भी की। वह कई बार बांग्लादेश, दुबई और अन्य खाड़ी देशों में गई। महिला का हाफिजगंज निवासी उसकी दो बहनों ने भी भरपूर सहयोग किया। प्रेमनगर थाना पुलिस ने गोपनीय सूचना के आधार पर तीनों बहनों को धोखाधड़ी का आरोपी बनाकर गिरफ्तारी की है। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। बानखाना चौकी प्रभारी वीरेश भारद्वाज ने प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें बताया कि मौलानगर बिलाल मस्जिद के पास रहने वाली मुनारा बी बांग्लादेश की नागरिक है। मुनारा बी का परिवार बांग्लादेश के जिला जेस्सोर खुलना में रहता है। मुनारा बी अवैध रूप से भारत में आई और फर्जी प्रपत्र बनवा लिए। फर्जी प्रपत्र के माध्यम से 2011 में भारतीय पासपोर्ट हासिल कर लिया। प्रेमनगर पुलिस को गोपनीय सूचना मिली कि धोखाधड़ी और कूटरचना में मुनारा बी का साथ उसकी बहनों थाना हाफिजगंज के मोहल्ला कस्बा बाजार निवासी सायरा बानो और तसलीमा ने दिया है। तीनों के खिलाफ प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। बताया जा रहा है कि तीनों बहनें गिरफ्तार कर ली गई हैं और उनसे एजेंसिया पूछताछ कर रही हैं।

जिलाध्यक्ष अविनाश मिश्रा पर लगा गुंडा एक्ट, भूमाफिया संजय राना पर भी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बारादरी थाना पुलिस ने सपा छात्र सभा के जिलाध्यक्ष अविनाश मिश्रा और पीलीभीत बाइपास गोलीकांड के आरोपी भू माफिया राजीव राना के भाई संजय राना पर गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। अविनाश मिश्रा फरीदपुर के मोहल्ला कानूनगोयान का मूल निवासी है और फिलहाल कोतवाली के सिविल लाइन इलाके में रहता है। वह सपा जिला उपाध्यक्ष समर्थ मिश्रा का भाई है। छात्र नेता के तौर पर चर्चित अविनाश के खिलाफ मारपीट, रंगदारी वसूलने जैसे कई मुकदमे हैं। उसके भाई समर्थ मिश्रा के खिलाफ भी कई मुकदमे हैं। समर्थ ने आगामी चुनाव में कैंट विधानसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी के तौर पर दावा ठोंक रखा है। हाल ही में सपा के कैंट विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष रोहित राजपूत की पिटाई मामले में समर्थ और अविनाश पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। शहर के संजय नगर निवासी संजय राना को फायरिंग कांड का मास्टरमाइंड बताया जाता है। प्लॉट के विवाद में हुए गोलीकांड में करीब पौन घंटा पीलीभीत बाईपास पर फायरिंग हुई थी। इसके वीडियो देश भर में वायरल हुए थे। तत्कालीन एसएसपी सुशील घुले का इसी वजह से तबादला हो गया था। भू माफिया राजीव राना के बाद अब उसके भाई संजय राना पर कार्रवाई की गई है।

02 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

पीटीआर से सटे गांवों में हाथी ने मचाया तांडव तोड़ी 4 KM की फेंसिंग फसल तबाह

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे गांवों में लोग इन दिनों एक जंगली हाथी के आतंक से जूझ रहे हैं। एक बार फिर से हाथी की चहलकदमी अधिकारियों के लिए सरदर्द बनी हुई है। बीते कई दिनों से हाथी की चहलकदमी जंगल में ही देखी जा रही थी, मगर अब यह हाथी किसानों के लिए आफत का सबब बन रही है। वहीं नेपाली हाथियों ने सुरक्षा के लिहाज से लगाई गई लगभग 4 किलोमीटर फेंस को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। आपको बता दें पीलीभीत टाइगर रिजर्व में शारदा नदी के पार टाइगर रिजर्व का बराही रेंज का जंगल है। ये जंगल इंडो-नेपाल सीमा पर है। सीमा के पार नेपाल का शुक्लाफांटा अभ्यारण है। खुली सीमा के चलते आए दिन गेंडे और हाथी समेत तमाम जंगली जानवर भारत की सीमा में प्रवेश कर जाते हैं। कई बार ये जंगली जानवर जंगल से सटे आबादी वाले इलाकों में भी पहुंच जाते हैं। नेपाल से आये हाथी की चहलकदमी जंगल के भीतर ही देखी जा रही थी। मगर इन दिनों यह हाथी जंगल से बाहर स्थित आबादी वाले इलाकों में भी पहुंच रहा है। ऐसे में खेतों में लगी फसलों को भी नुकसान पहुंच रहा है। यह हाथी ग्रामीणों के खेतों में बार-बार घुसकर गन्ने और धान की फसल को रौंद रहा है। वहीं इलाके के लोग रात रात भर जाग कर खेतों की रखवाली कर रहे हैं। टाइगर रिजर्व की माला रेंज के जिस इलाके में हाथी की मौजूदगी के साक्ष्य मिले हैं, उसी के पास में माला रेस्ट हाउस स्थित है। जिस रेस्ट हाउस के निकट नेपाली हाथी की चहलकदमी देखी जा रही है उसी रेस्ट हाउस में पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पेट्रोलिंग के लिहाज से लाए गए हाथियों को भी रखा गया है। जानकारों का मानना है कि ये नेपाली हाथी अपने झुंड से बिछड़े साथियों की तलाश कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाथी के कारण न केवल उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ गई है बल्कि वह फसल भी उजाड़ रहा है। हाथी अब तक दर्जनों एकड़ गन्ना और धान की फसल तबाह कर चुका है। इसकी वजह से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। रात भर खेतों में मशाल जलाकर और ढोल-नगाड़े बजाकर हाथी को भगाने की कोशिश कर रहे हैं। इससे हाथी उस वक्त तो भाग जाता है। देर रात में वापस आ जाता है। इसके बाद खेतों को तबाह कर रहा है। इससे उनकी मेहनत बर्बाद हो रही है। उन्होंने वन विभाग से जल्दी मामले में कार्रवाई की गुहार लगाई। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के उप निदेशक मनीष सिंह ने बताया कि विभाग लगातार हाथी की गतिविधियों पर नजर रख रहा है। उसे उसके इलाके में वापस भेजने की कोशिश की जा रही है।

बहने लगी पानी की धारा, मोहल्ले के निवासियों के खिले चेहरे

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत नगरपालिका परिषद के वार्ड 25 के मोहल्ला पूरनमल के निवासियों के चेहरे उस वक्त खिल उठे जब 20 वर्ष से भी अधिक समय बीत जाने के बाद उनके घरों की टोटियों में पानी की धार निकली। घरों में पानी पहुंचने पर यहां के लोगों ने अध्यक्ष सभासद और अधिकारी कर्मचारियों है। शहर के मोहल्ला से घरों की टोंटियां सूखी था। पेयजल सप्लाई के लगातार मांग होती रही। पुरानी पाइपलाइन पड़ी आता था।अमृत योजना

जलकल विभाग के का आभार व्यक्त किया पूरनमल में पिछले 20 वर्ष पड़ी थी। पानी नहीं आता लिए मोहल्ले के लोगों की इस मोहल्ले में पानी की हुई थी, लेकिन पानी नहीं के तहत लगभग 5 वर्ष पहले इस मोहल्ले में फिर से नई पाइपलाइन डाली गई। नए कनेक्शन भी दिए गए लेकिन घरों की टोटियों में पानी फिर भी नहीं पहुंचा। घोटाले की भेंट चढ़ी अमृत योजना में जल निगम के ठेकेदार अपना काम खानापूर्ति करके चले गए। लेकिन स्थिति जस की तस बनी रही। पिछले दिनों मोहल्ले के लोगों ने इस संबंध में नगर पालिका पालिका अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल और सभासद साकेत सक्सेना से घरों में पानी पहुंचवाने के लिए कहा। इसके बाद पालिका अध्यक्ष डॉक्टर आस्था अग्रवाल ने जलकल विभाग को इस काम में जुट जाने के लिए कहा। नगरपालिका में जलकल विभाग की अवर अभियंता राजरानी ने सभासद साकेत सक्सेना के साथ मोहल्ले की गली-गली में घूम कर निरीक्षण किया। कुछ जगह गड्ढे खुदवा कर पाइपलाइन चेक की गई। जलकल विभाग के प्रभारी तारिक हसन खां की देखरेख में व पूर्व जलकर प्रभारी सेवानिवृत्त राकेश कुमार के अनुभव लेकर इमरान, मोहम्मद मियां ने लगातार दो-तीन दिन तक जगह-जगह पाइपलाइन चेक करके पानी को मोहल्ले में पहुंचने का प्रयास किया। कर्मचारियों की कड़ी मेहनत के चलते आज दोपहर बाद मोहल्ले के घरों की टोटियों से पानी की तेज धार निकल पड़ी। मोहल्ले के लोगों ने नगर पालिका अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल सभासद साकेत सक्सेना और पालिका के जलकल विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों का आभार भी व्यक्त किया है।

अंधविश्वास में गई जान: युवक को लगा करंट, परिजनों ने अस्पताल ले जाने की बजाय मिट्टी में दबाया...मौत

पीलीभीत जिले में इलाज के बजाय अंधविश्वास करना एक युवक की जान पर भारी पड़ गया। करंट लगने से बेसुध युवक को परिजनों ने अस्पताल ले जाने की बजाय मिट्टी में दबा दिया। जब हालत बिगड़ गई तो उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।पीलीभीत के घुंघचाई थाना क्षेत्र में अंधविश्वास का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। गांव लुकटिहाई में घर पर तिरपाल लगाने के लिए बांस काट रहा युवक करंट की चपेट में आ गया। इससे वह बेसुध होकर गिर पड़ा। परिजनों ने उसे अस्पताल ले जाने के बजाय मिट्टी में दबा दिया। हालत

बिगड़ने पर युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव लुकटिहाई निवासी दाताराम (30 वर्ष) शुक्रवार सुबह घर पर तिरपाल डालने के लिए बांस काट रहा था। इसी दौरान बांस ऊपर से गुजरी बिजली लाइन से टकरा गया। उसमें करंट उतर गया। करंट की चपेट में आने से दाताराम तड़पने लगा। यह देख वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह उसे छुड़ाया। तेज करंट लगने से वह बेसुध हो गया। परिजनों ने अस्पताल ले जाने के बजाय उसे मिट्टी में दबा दिया। काफी देर तक मिट्टी में दबाए रखा। अंधविश्वास में फंसकर उसको सही करने के लिए जतन करते रहे। हालत में सुधार न होने पर उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। चिकित्सक का कहना था कि अगर समय रहते परिजन युवक को अस्पताल ले आते तो शायद उसकी जान बच सकती थी।

25 दिन से न सोया न खाया: इंस्टाग्राम चलाने पर पिता ने डांटा तो बेटी ने छोड़ा घर, बाहर हुई दुष्कर्म का शिकार

वन स्टॉप सेंटर में जब पिता बेटी से मिले तो आंसू रुके नहीं। सीने से लगाकर बोले कि क्या तुम्हें डांटने का अधिकार भी हमारे पास नहीं है। बाल कल्याण समिति ने उन्हें बताया कि सोमवार तक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बेटी उन्हें सौंप दी जाएगी। सही राह दिखाने के लिए पिता द्वारा मारा गया थप्पड़ बिहार की किशोरी को इतना चुभा कि उसने घर ही छोड़ दिया। नतीजा यह हुआ कि वह दरिंदों के चंगुल में फंस गई और दुष्कर्म तक सहना पड़ा। अब पिता का रोते-रोते बुराहाल है। क्या तुम्हें डांटने का अधिकार भी नहीं% उनका कहना है कि ऐसा पता होता तो बेटी को डांटते भी नहीं। एक माह से वह घर से गायब है। तब से वह सो नहीं पाए हैं और ठीक से खाया भी नहीं। मुरादाबाद से बाल कल्याण समिति का फोन पहुंचा तो फौरन यहां के लिए रवाना हो गए। बृहस्पतिवार को वन स्टॉप सेंटर में बेटी से मिले तो आंसू रुके नहीं। सीने से लगाकर बोले कि क्या तुम्हें डांटने का अधिकार भी हमारे पास नहीं है। बाल कल्याण समिति ने उन्हें बताया कि सोमवार तक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बेटी उन्हें सौंप दी जाएगी। मुंबई में मजदूरी करते हैं पिता बिहार के मधुबनी निवासी किशोरी के पिता ने बताया कि वह मुंबई में मजदूरी करते हैं। उनकी चार बेटियां और एक बेटा है। इनमें पीड़ित किशोरी दूसरे नंबर की है। एक माह पहले बेटे का मुंडन कराने के लिए घर गए थे। पत्नी ने उन्हें बताया कि बेटी इंस्टाग्राम पर किसी लड़के से बात करती है। इस पर उन्होंने सख्ती से उसे डांट दिया और एक थप्पड़ भी लगाया। पिता के मुंबई लौटने के एक-दो दिन बाद वह किसी को बिना बताए घर से निकल गई और ट्रेन में बैठकर दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंच गई। वहां आरोपी सचिन उसे बहलाकर मुरादाबाद ले आया और बंधक बना लिया। बच्चों में सहनशीलता की कमी बच्चों में सहनशीलता की कमी के कई मामले आते हैं। सोशल मीडिया इसका प्रमुख कारण है। आभासी दुनिया किशोरों के दिमाग पर इस तरह हावी हो जाती है कि वह किसी अंजान व्यक्ति को अपना मान लेते हैं। ऐसे मामलों में दवाओं से ज्यादा काउंसिलिंग का सहारा लिया जाता है। बच्चों के सोशल मीडिया पर माता-पिता को निगरानी रखनी चाहिए। - डॉ. अनंत राणा, मानसिक रोग विशेषज्ञ

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने साइबर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच / डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने साइबर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, साइबर सुरक्षा से बचाव के लिए बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी और ओटीपी किसी से साझा न करने की अपील, ज़रा सी लापरवाही मेहनत की कमाई

पर भारी पड़ सकती है। सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने शुक्रवार, 22 अगस्त 2025 को संयुक्त जिला कार्यालय से थाना विश्रामपुर व भटगांव व इन दोनों क्षेत्र में स्थित बैंकों के संयुक्त साइबर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और जिला स्तरीय साइबर जागरूकता अभियान की शुरुआत की और लोगों से अपील किया वे अपने बैंक खाते की गोपनीय जानकारी, पासवर्ड या ओटीपी किसी से साझा न करें और अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें। उन्होंने कहा कि साइबर ठग आए दिन नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगने की कोशिश करते हैं। ज़रा सी लापरवाही मेहनत की कमाई पर भारी पड़ सकती है। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक लोग जागरूक हों और साइबर अपराध से स्वयं को सुरक्षित रखें। इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने कहा कि थोड़ी सी सतर्कता और सावधानी से लोग साइबर धोखाधड़ी से बच सकते हैं। तकनीक ने हमारे दैनिक जीवन में कार्यों को सरल और सहज बनाया है। डिजिटल लेन-देन तेज और सुविधाजनक हुए हैं, लेकिन इसके साथ साइबर ठगी जैसी चुनौतियां भी काफी बढ़ी हैं। डिजिटल युग में जागरूकता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। यदि हम स्वयं सतर्क रहें और दूसरों को सतर्क करें, तो साइबर अपराधी अपने इरादों में सफल नहीं हो पाएंगे। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप पुलिस और बैंक मिलकर यह जागरूकता अभियान चलाकर लोगों में साइबर सुरक्षा की समझ बढ़ाने का एक संयुक्त प्रभावी प्रयास है। इसके अंतर्गत रथ से विडियों और ऑडियों संदेश, नुक्कड़ नाटक और चलित थाना, स्कूल कालेजों में जागरूकता के आयोजन कर साइबर धोखाधड़ी के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी और जिले के अंतिम छोर में रहने वाले लोगों तक यह रथ जाकर जागरूकता फैलायेंगी। बैंक के अधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दर्ज कराई जा सकती है। डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, डीएसपी रितेश चौधरी, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, थाना प्रभारी विश्रामपुर प्रकाश राठौर, थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी, साइबर सेल प्रभारी राकेश यादव, विश्रामपुर व भटगांव के विभिन्न बैंकों व पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे

प्रतापपुर के शासकीय हाई स्कूल बोझा में रजत महोत्सव के अवसर पर 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर/ छतीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' योजना के तहत महिला सशक्तिकरण केंद्र द्वारा जागरुकता कार्यक्रम शासकीय हाई स्कूल बोझा (प्रतापपुर) में कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के आदेश के अनुपालन में तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल के मार्गदर्शन से सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग, नवा बिहान संरक्षण अधिकारी श्रीमती इन्द्र कुमारी तिवारी एवं महिला सशक्तिकरण (हब) मिशन शक्ति के अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक श्रीमती शारदा सिंह के नेतृत्व में किया गया है। जिसमें साइबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण अंतर्गत बालिकाओं को ऑनलाइन फ्रॉड, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा के साथ ही कन्या भ्रुण निषेध अधिनियम, बाल विवाह, घरेलू हिंसा अधिनियम, सखी सेंटर, कार्य स्थल पर महिलाओ का लैगिंग उत्पीडन अधिनियम 2013 एवं महिला हेल्प लाइन नंबर 181, 1098, 112 की जानकारी दी गई एवं संबंधित मुद्दों स्वास्थ्य एवं पोषण, महिला सुरक्षा आदि विषयों पर निबंध प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों के सहयोग से सत्र का सफल आयोजन किया गया । कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण से पैरलीगल वालेंटियर द्वारा महिलाओं को नि:शुल्क विधिक सहायता एवं यूनिसेफ समन्वयक श्री हितेश द्वारा अन्य जानकारियां दी गई।

संक्षिप्त समाचार

मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में फंदे से लटका मिला एमबीबीएस छात्र का शव, पुलिस कर रही जांच

अयोध्या में एमबीबीएस छात्र का शव मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। यूपी के अयोध्या में राजर्षि दशरथ

मेडिकल कॉलेज, गंजा में 2024 बैच के एमबीबीएस छात्र सागर पटेल का शव छात्रावास के कमरे में फंदे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पुलिस ने चिकित्सकों के साथ छात्र को मेडिकल कॉलेज, दर्शन नगर पहुंचाया। वहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उसके मृत होने की पुष्टि कर दी। बताया गया कि छात्र मूल रूप से जौनपुर का रहने वाला था। सीओ आशुतोष तिवारी ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

राशन वितरण में अनियमितता मिलने पर होगी कार्यवाही- एसडीएम ममता शाक्य

क्यूँ न लिखूँ सच / राज शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी के निर्देश पर पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी (राजस्व) ममता शाक्य द्वारा जनपद पंचायत खनियाधाना के

शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के विक्रेताओं से पीडीएस संबंधित चर्चा कर समीक्षा की गई, जिसमें खनियाधाना के लगभग 100 से अधिक विक्रेता उपस्थित हुए। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पिछोर के समक्ष की गई समीक्षा में एसडीएम शाक्य द्वारा विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पात्रतानुसार राशन का वितरण करें, राशन वितरण ठीक से न होने पर कार्यवाही की जाएगी तथा जहां जहां सीएम हेल्पलाइन लगी है, उन विक्रेताओं को जल्द से जल्द शिकायतों के निराकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सबसे अधिक 27 शिकायतों वाली ग्राम पंचायत चमरौआ के विक्रेता को शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक के दौरान शाक्य द्वारा एक-एक विक्रेता से चर्चा कर, विक्रेताओं से संबंधित वेतन संबंधी समस्या का निराकरण तत्काल प्रबंधक को कराने के निर्देश दिए। निराकरण नहीं करने पर संस्थाओं से दुकान पृथक करने की चेतावनी दी, प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वह लगातार दुकानों का निरीक्षण कर पात्रतानुसार राशन वितरण कराए तथा पीडीएस की दुकान प्रतिदिन खुलवाए तथा शेष ई केवाईसी के कार्य का जल्द से जल्द सत्यापन कर पूर्ण कराए। एसडीएम ममता शाक्य द्वारा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को आगामी माह की बैठक में केंद्र प्रभारी, परिवहन कर्ता, प्रशासक व अन्य संबंधित को भी बैठक में बुलाने के निर्देश दिए। पीओएस मशीन इंजीनियर को विक्रेता की मांग अनुसार पिछोर आकर मशीन संबंधी समस्याओं के निराकरण करने के लिए पत्र जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को दुकानों के निरीक्षण के निर्देश दिए तथा वितरण, ई केवाईसी, सीएम हेल्पलाइन में प्रगति नहीं करने पर कार्यवाही प्रस्तावित करने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सूरजपुर में राष्ट्रीय स्तर की मॉनिटरिंग टीम द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर/ जिला पंचायत सूरजपुर में आज राष्ट्रीय स्तर की मॉनिटरिंग टीम के सदस्य श्री सरवत हुसैन एवं

श्री पंकज सोलंकी द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सूरजपुर श्री विजेन्द्र सिंह पाटले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उक्त टीम द्वारा महात्मा गांधी नरेगा, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लैंड रिकॉर्ड, स्वामित्व योजना एनआरएलएम, सांसद आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय पेंशन योजना तथा कृषि विभाग के प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के कार्यों का निरीक्षण करेंगे एवं आगामी 10 दिनों तक जिले का भ्रमण कर ग्राम पंचायतों का दौरा किया जाएगा। इस दौरान भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन का स्थलीय निरीक्षण, दस्तावेजों का परीक्षण, कार्यों की गुणवत्ता का मूल्यांकन एवं योजनाओं के प्रभावी संचालन का अवलोकन किया जाएगा। बैठक में डिप्टी कलेक्टर, सूरजपुर, सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख, सहायक परियोजना अधिकारी (मनरेगा), कार्यपालन अभियंता (प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना), उपसंचालक (समाज कल्याण), कृषि विभाग के अधिकारी, एनआरएलएम, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण तथा सहायक परियोजना अधिकारी (सांसद आदर्श ग्राम योजना) सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक बहराइच द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन बहराइच में शुक्रवार परेड की ली गयी सलामी

क्यूँ न लिखूँ सच / शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़-अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार करवाया गया ड्रिल-

आज दिनांक 22.08.2025 को पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी ली गई तत्पश्चात निरीक्षण किया गया । इस दौरान पुलिस बल के शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त पुलिसकर्मियों से दौड़ लगवायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाया गया । परेड में पुलिस लाईन का पुलिस बल तथा विभिन्न कार्यालयों में नियुक्त पुलिसकर्मियों सहित प्रशिक्षणाधीन रिक्रूट आरक्षीगण सम्मिलित हुए । महोदय द्वारा क्वार्टर गार्द, एमटी शाखा, यूपी 112 पीआरवी, पुलिस कैन्टीन आदि का निरीक्षण किया गया । यूपी 112 पीआरवी में मौजूद दंगा नियंत्रण उपकरणों, फर्स्ट ऐड किट आदि विभिन्न उपकरणों का निरीक्षण करके उपकरणों की नियमित साफ-सफाई व समुचित देखरेख व कुशल संचालन हेतु निर्देश दिए गए । इसी क्रम में महोदय द्वारा आरटीसी बैरक, स्कूल, मेस, आदि का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई, गुणवत्ता, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता आदि पर उल्लेखनीय रुप से आदेश-निर्देश प्रदान किया गया । तत्पश्चात, पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पुलिस लाइन के आदेश-कक्ष में सभी गार्द रजिस्टरों की जांच करते हुए गार्द की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में सभी गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। परेड में प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक श्री एन.डी. मिश्रा, प्रतिसार निरीक्षक श्री भुवनेश्वर सिंह सहित प्रभारी आरटीसी आदि अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

हर घर में बुखार... सिरसी के 400 लोग बीमार, बच्चों की हालत नाजुक, निजी डॉक्टरों के भरोसे इलाज

संभल के नगर पंचायत सिरसी में बुखार का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। करीब 400 लोग पीड़ित हैं, जिनमें सबसे अधिक बच्चे शामिल हैं। कई परिवारों में एक साथ लोग बीमार पड़ गए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र मिठौली रोड स्थित मोहल्ला शर्की है। जहां लगभग हर घर में लोग बुखार से तप रहे हैं।करीब 50 हजार की आबादी वाली नगर पंचायत सिरसी में बुखार का प्रकोप बढ़ा है। लगभग हर घर में लोग बुखार से पीड़ित हैं और इनकी संख्या तकरीबन 400 है। चूंकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से शिविर नहीं लगाया गया है तो पीड़ित सिरसी और महमूदपुर माफी में निजी डॉक्टरों से इलाज कराने के लिए मजबूर हैं।स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता के चलते लोगों में रोष पनप रहा है। सिरसी में जिन लोगों को बुखार ने जकड़ा हुआ है इनमें ज्यादातर बच्चे हैं। बुखार के साथ-साथ उल्टी की भी शिकायत है। बुखार इतनी तेजी से फैल रहा है कि एक ही परिवार के एक के बाद एक तीन से चार लोग बुखार से पीड़ित हो गए हैं।सबसे अधिक बुखार का प्रकोप मिठौली रोड पर स्थित मोहल्ला शर्की की कालोनी में है। यहां लगभग हर घर में लोग बुखार से तप रहे हैं। मोहल्ला शर्की के भूरा के बेटे अली नवाब को करीब नौ दिन से बुखार आ रहा है। इसका इलाज गांव महमूदपुर माफी के निजी अस्पताल में चल रहा है। यहीं के यावर अब्बास के आठ वर्षीय बेटे अली अस्फी को सात दिन से बुखार ने जकड़ा हुआ है। इनके छोटे भाई अयान और फूफा के बेटे मो. आदिल और मो.जाफर, ताऊ तनवीर अब्बास भी बुखार से पीड़ित हैं। अजीम अब्बास सहित चार लोग बुखार से जूझ रहे हैं। अजीम अब्बास के चाचा का बेटा मोहम्मद, दूसरे चाचा की बेटी मासूमा और जेबा भी बुखार से पीड़ित हैं। सात दिन से बुखार आने पर इनका इलाज भी गांव महमूदपुर माफी के अस्पताल में चल रहा है। स्वालेहा पत्नी दिलशाद हुसैन, छह वर्षीय बेटे अली गाजी को चार दिन से बुखार आ रहा है। परिजनों ने बताया कि बुखार से पीड़ित इरशाद हुसैन की हालत गंभीर है। मोहल्ला शर्की में ही रेहान, मन्तशा, राहिब, अब्बास सय्यदा, अम्बर आदि सहित 400 लोग बुखार की चपेट में हैं। बुखार से पीड़ित लोग सिरसी के अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। इतना ही नहीं, कुछ लोगों को घरों में ही इलाज चल रहा है। फागिंग न होने से बढ़ा मच्छरों का प्रकोप बुखार फैलने की एक वजह फागिंग नहीं होना भी बताया जा रहा है। लोगों का कहना है कि नगर पंचायत की ओर से करीब तीन महीने पहले फागिंग कराई गई थी। भीषण गर्मी के बाद बरसात का मौसम चल रहा है। इसके कारण मच्छर पनप रहे हैं और बुखार भी तेजी से फैल रहा है। ईओ डॉ. मणिभूषण तिवारी ने कहा कि लगातार फागिंग कराई जा रही है। अगर प्रकोप का बुखार है तो फागिंग और ज्यादा कराई जाएगी। सिरसी में बुखार फैलने की जानकारी नहीं हो सकी। बुखार को लेकर शुक्रवार को सिरसी में शिविर लगवाया जाएगा। शिविर में मरीजों की जांचें करते हुए इलाज शुरू कराएंगे। -डॉ. नीरज शर्मा, कार्यवाहक प्रभारी सीएचसी संभल

विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / उरई -माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 13 सितम्बर 2025 को आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित किये जाने हेतु माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव के कुशल मार्ग दर्शन में पशु, आबकारी, उद्योग एवं स्टाम्प विभाग आदि विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। इसमें उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/अपर जिला जज श्रीमती पारूल पॅवार ने उपस्थित सभी अधिकारियों से कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आगामी दिनांक 13 सितम्बर 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला दीवानी न्यायालय उरई एवं वाह्य स्थित न्यायालयों में किया जाना है। इस राष्ट्रीय लोकअदालत के प्रचार-प्रसार हेतु पशु, आबकारी, उद्योग एवं स्टाम्प के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस सम्बन्ध में सभी विभागों के परिणामोन्मुखी व सार्थक प्रयासों की आवश्यकता है। इस पर सभी अधिकारियों ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में अपर जिला पशु अधिकारी डा0 राजेन्द्र, सहायक आयुक्त स्टाम्प श्री अजय कुमार, जिला आबकारी अधिकारी श्री भूपेन्द्र, खादी ग्रामोद्योग विभाग से श्री रोहित राजपूत आदि उपस्थित रहे।

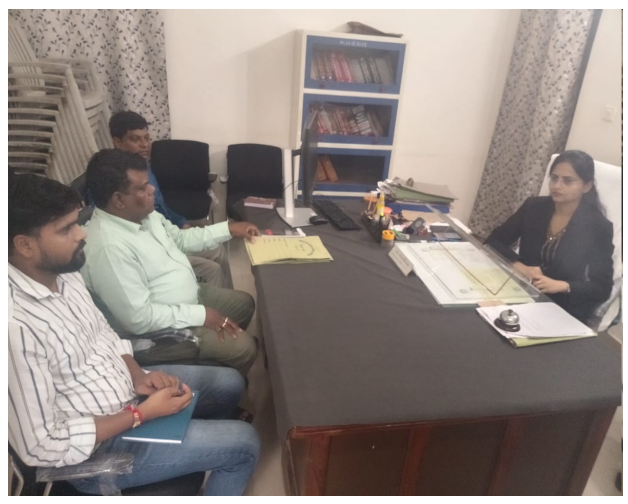

कृषकों को गौवंश एवं जंगली जानवरों से फसलों को सुरक्षा प्रदान करने हेतु सोलर फेन्सिंग योजना प्रस्तावित

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ उरई / उप कृषि निदेशक एस0के0उत्तम ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र के कृषकों को गौवंश एवं जंगली जानवरों से फसलों को सुरक्षा प्रदान करने हेतु सोलर फेन्सिंग योजना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि क्लस्टर आधारित सोलर फेन्सिंग-न्यूनतम 10 हे0 से अधिक के फार्मर क्लस्टर समूह का गठन कर क्लस्टर हेतु अनुमानित कम्पोजिट सोलर फेन्सिंग औसतन 1500 रनिंग मीटर जिस पर कृषक समूह को 80 प्रतिशत अनुदान प्रस्तावित है (गेट, सोलर पैनल बैटरी, वायर आदि सहित) उसी क्लस्टर में न्यूनतम 500 कृषि वानिकी/सहजन के पौधों का रोपड़ कराया जायेगा जिससे बायोमास उत्पादन, पोषण व्यवस्था के साथ-साथ भूमि एवं जल संरक्षण मे भी लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि मॉडल नं0-1 में ऊंचाई 1.5मी0(05 फिट) अनुमानित लागत रु0 10.87 लाख, अनुदान(80 प्रतिशत) रु0 8.69 लाख, कृषक अंश(20 प्रतिशत) रु0 2.18 लाख, मॉडल नं0-2 में ऊंचाई 1.8मी0(06 फिट) अनुमानित लागत रु0 11.64 लाख, अनुदान(80 प्रतिशत) रु0 9.31 लाख, कृषक अंश(20 प्रतिशत) रु0 2.33 लाख, मॉडल नं0-3 में ऊंचाई 2.10मी0(07 फिट) अनुमानित लागत रु0 08.79 लाख, अनुदान(80 प्रतिशत) रु0 7.03 लाख, कृषक अंश(20 प्रतिशत) रु0 1.76 लाख है। उन्होंने बताया कि उक्त आगणन अनुमानित हैं, कृषक अंश वास्तविक आगणन के अनुसार देय होगा। उन्होंने योजना का क्रियान्वयन के बारे में बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु दलहन, तिलहन, श्री अन्न उत्पादक, कृषको के जो समूह गठित किये जायेंगे उसके अध्यक्ष/लीडर कृषक द्वारा आवेदन किया जायेगा। आवेदन लक्ष्य से अधिक प्राप्त होने पर जिलाधिकारी / मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा लाटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जायेगा। सोलर फेन्सिंग का कार्य क्लस्टर के आधार पर किया जायेगा, प्रत्येक जनपद हेतु निर्धारित लक्ष्यों में से 25 प्रतिशत लक्ष्य क्रियाशील कृषक उत्पादक संगठन (FPO) हेतु मात्राकृत करते हुए लाभार्थियों का चयन एफ0पी0ओ0 सदस्यों में से किया जायेगा। प्रत्येक चयनित क्लस्टर जिसका क्षेत्रफल न्यूनतम 10हे0 तक के लाभार्थियों को औसतन 1500 रनिंग मीटर तक सोलर फेन्सिंग के लिए अनुदान सुविधा अनुमन्य हो सकेगी। लाभार्थी के क्षेत्रफल के अनुसार आवश्यक फेन्सिंग की लम्बाई, का स्थलीय सत्यापन तथा अन्य अभिलेखों को अधिकारी द्वारा सत्यापित करते हुये ही वास्तविक फेन्सिंग की लम्बाई समानुपातिक क्षेत्रफल के अनुसार अनुदान सुविधा अनुमन्य होगी। योजनान्तर्गत लाभार्थी के अन्तिम रूप से चयनित होने के उपरान्त लाभार्थी के क्षेत्रानुसार सोलर फेन्सिंग की कुल लागत, अनुमन्य अनुदान एवं कृषक अंश आंकलित करते हुए उसे स्वीकृति पत्र ऑनलाईन/ऑफलाईन उपलब्ध कराया जायेगा। अत: समस्त किसान भाईयों से अनुरोध है कि दिनांक 05.09.2025 तक https://agridarshan.up.gov.in/ पर उपरोक्तानुसार कम से कम 10 हे0 का क्लस्टर बनाकर योजना का लाभ ले सकते है। अधिक जानकारी के लिए उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी कार्यालय अथवा उप कृषि निदेशक कार्यालय जालौन में सम्पर्क कर सकते है।

संक्षिप्त समाचार

बिजली आपूति ठप लोगों को परेशानी

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती गिरंटबाजार स्टे-वायर में एम्बुलेंस के टकराने से एचटी लाइन का खम्भा टूटकर तार समेत नीचे गिर गया। खम्भे व तार के नीचे कोई नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। खम्भा व तार टूटने से आधा दर्जन से अधिक लोगों के घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। विकास क्षेत्र जमुनहा ग्राम पंचायत बभनपुरवा में संचारी रोग प्रचार प्रसार के लिए स्वास्थ्य विभाग की एम्बुलेस गई थी। गांव में बिजली का खम्भा लगा था जिसमें स्टे-वायर लगा हुआ था। इस दौरान एम्बुलेंस स्टे-वायर से टकरा गई। स्टे वायर के टूटते ही एलटी लाइन का खम्भा टूट गया और तार समेत नीचे जमीन पर गिर गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मोहनपुर भरथा के मजरा केवटन पुरवा निवासी करिश्मा (26) पत्नी रामू की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुसराल के लोगों ने बिना मायके पक्ष व पुलिस को सूचना दिए आनन फानन में अंतिम संस्कार कर दिया। इस दौरान किसी ने महिला के मायके वालों को सूचित किया।

झोले में नवजात का शव लेकर डीएम कार्यालय पहुंचा पिता, अफसरों से लगाई न्याय की गुहार

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी से दिल झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। थैले में नवजात बेटे का शव लेकर एक युवक डीएम कार्यालय पहुंचा। उसने इंसाफ की गुहार लगाई। कहा कि मेरे बच्चे को जिंदा कर दो या दोषियों पर कार्रवाई करो। लखीमपुर खीरी में निजी अस्पताल के लापरवाह रवैये ने एक नवजात बच्चे की जान ले ली। नवजात का शव झोले में रखकर पिता शुक्रवार दोपहर डीएम कार्यालय पहुंचा तो खलबली मच गई। इसके बाद मामले का संज्ञान लेते हुए सीएमओ संतोष गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की। शुक्रवार को डीएम कार्यालय पहुंचे थाना भीरा क्षेत्र के गांव नौसर जोगी निवासी विपिन गुप्ता ने बताया कि उन्होंने अपनी गर्भवती पत्नी रूबी को महेवागंज स्थित गोलदार हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। जहां डिलीवरी के दौरान रूबी की तबीयत खराब हो गई। उसे आनन-फानन दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने बताया कि दवा गलत की वजह से गर्भ में ही शिशु की मौत हो गई है। डॉक्टर ने महिला की डिलीवरी कराई। पीड़ित पिता नवजात के शव को झोले में रखकर डीएम कार्यालय पहुंच गया। जहां मौजूद सीएमओ से न्याय की गुहार लगाई। मामले की जानकारी होते ही सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता, सदर एसडीएम अश्वनी कुमार व शहर कोतवाल हेमंत राय ने मौके पर पहुंचकर कागजी कार्रवाई शुरू कर दी।

166 महतारी सदन की मिली स्वीकृति, 25 सौ वर्गफुट में बनेगा महतारी सदन

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर/ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा महतारी सदन- उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा 166 महतारी सदन हेतु 49 करोड़ 80 लाख रुपये जारी अब तक 368 महतारी सदन की स्वीकृति, 50 से अधिक महतारी सदन पूर्ण महतारी सदन में कमरा, बरामदा, हाल, किचन, स्टोररूम, पेयजल हेतु ट्यूबवेल और सामुदायिक शौचालय जैसी होंगी सुविधायें रायपुर- प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं सामूहिक भागीदारी तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयास से 166 महतारी सदन की स्वीकृति जारी की गई है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जोड़ रहा है। प्रदेश के ग्राम पंचायतों में बनने जा रहा महतारी सदन महिलाओं द्वारा बैठने की स्थान न होने की शिकायत की और बैठने आया। ततपश्चात महिलाओं को रोजगार दिलाने और उनको काम

आत्मनिर्भर बनाने तथा आपसी समरसता स्थापित करने सामायिक कार्यक्रमों में श्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार महतारी सदन का निर्माण कार्य किया जाना है। स्वीकृति आदेश जारी किया गया है, इसके लिए 49 करोड़ 80 लाख रुपये की न्यू इंडिया के ग्रोथ साइकल में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। की आत्मनिर्भर भारत अभियान महिलाओं की क्षमता को देश के विकास के साथ भी इसी दिशा में एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि लगातार ग्राम भ्रमण के दौरान हेतु स्थान दिलाने की मांग की जाती रही इसलिए महतारी सदन बनाने का विचार काज के लिए स्थान उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार गांवों में महतारी सदन बनाने जा रही है। अब तक 368 महतारी सदन की स्वीकृति इसी उद्देश्य को पूर्ति के लिये जारी किया गया है। कार्यों में एकरूपता के दृष्टिकोण से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्य का एक मानक डिजाईन एवं प्राक्कलन तैयार किया गया है। प्रति महतारी सदन की लागत राशि रुपये 30 लाख होगी। 5 वर्षो में सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाने की योजना प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाया जाएगा। महतारी सदन बनाने की शुरुआत हो गयी है। पहले चरण में प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में महतारी सदन बनना प्रारंभ किया जा रहा है व 5 साल में सभी ग्राम पंचायत में महतारी सदन बनेंगे। प्रदेश में बनने वाले महतारी सदन का निर्माण लगभग 25 सौ वर्गफुट में कराया जाएगा। सदन में कमरा, शौचालय, बरामदा, हाल, किचन और स्टोररूम जैसी सुविधाएं रहेगी। पानी के लिए ट्यूबवेल के साथ वाटर हार्वेस्टिंग भी किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए इसमे बॉउंड्रीवाल भी बनाये जाएंगे। महतारी सदन में सामुदायिक शौचालय का भी निर्माण किया जाएगा।

These 5 mistakes should not be made while sending the child to school, otherwise their whole day gets spoiled

Do you know that some mistakes of parents while sending children in the morning spoil the whole day of the children. Usually parents do not pay attention to these mistakes or they do not even know that they are making a mistake. But if these are not corrected, then the child's mind starts getting affected badly. The atmosphere of the house should be positive while sending children to school in the morning. Negative environment has a bad effect on the mind of children. Due to the hurry in the morning, the mind of children also starts getting affected badly. Just think, that hurry-filled time of the morning... the child is skipping breakfast, his homework copy is not in the bag, and you are tensed about going to office late. In such a situation, getting angry or saying something in haste that your child hears, is very common. But do you know that these small mistakes made while sending children to school can spoil your child's whole day? A child's mind is very sensitive and the beginning of the morning determines his mood, focus and performance for the whole day. In such a situation, you should avoid making some mistakes. Let us know the 5 big mistakes that should not be made at all in the morning. Creating an atmosphere of haste The biggest and most common mistake is to create a stressful environment early in the morning. "Hurry up!", "You are always late!", "Why are you not ready yet?" such things work to inject stress in the child's mind. Due to this, the child goes to school stressed, he is unable to concentrate on studies and remains stressed. His mind gets stuck on the fight that happened in the morning instead of studying. To avoid this, start preparing from the night itself. Packing the bag, taking out the uniform, planning the tiffin should be done at night itself, so that there is no hurry after waking up in the morning. Skipping breakfast or force-feeding both situations are harmful. Many parents send the child to school without breakfast in a hurry. An empty stomach causes lack of energy, irritability and lack of interest in studies in the child. On the other hand, force-feeding is equally harmful. This creates negativity about food in the child's mind and sometimes even leads to vomiting. To avoid this, give such light and nutritious breakfast that the child eats with pleasure. If he is reluctant to eat, do not scold him, but explain to him lovingly. Keep options like smoothie, paratha, sandwich, upma. Creating pressure of studies or homework While going to school, standing at the door and saying, "Whatever the teacher taught today, listen carefully otherwise...", "You have to score good marks in the test" - such things put pressure on the child. He starts seeing the school as an examination hall, where only marks matter. This increases the stress of studies and develops the habit of rote learning instead of learning. To avoid this, send him to school with positivity. Things like "Have lots of fun today", "Make new friends", "Whatever you learn, come home and teach me", will increase his confidence and enthusiasm. Comparing with other children If you say early in the morning, "Look at how nicely your friend Rahul wears his uniform, and you...", "Your friend Seema always comes first, why don't you?" This comparison hurts the child's heart and mind the most. This creates a feeling of inferiority in him, his self-confidence wavers and a feeling of jealousy towards his friends can develop. To avoid this, always praise your child and make him feel that he is unique. Appreciate his small achievements. Sending by lying or scaring him Many times parents resort to lying to make their children understand, like - "Come on, hurry up, otherwise the teacher will scold you." or "Go to school, you will get ice cream there". When the lie is caught, the child loses faith in you. On the other hand, intimidating tactics create fear of school in the child's mind, due to which he does not feel like going there. To avoid this, prepare your child for school lovingly and be patient with him/her.

The new name of infidelity is Micro-Cheating! Are you also falling prey to it? Identify it with 6 signs

Nowadays a new trend is being seen in relationships, whose name is Micro-Cheating! Yes, this is such an infidelity in which the matter does not reach the physical relationship but it gradually weakens the foundation of your relationship. Let us tell you about 6 important signs related to it in this article. Micro-cheating is a kind of emotional cheating. Some symptoms related to it can prove to be a danger bell. By recognizing them in time, you can save the relationship. In today's digital world, relationships have become as easy as they are complicated. As soon as we hear the word 'cheating', the thought of cheating comes to our mind, but have you ever heard of 'Micro-Cheating'? This is a behavior that may not be directly, but can slowly hollow the foundation of your relationship. Yes, Micro-Cheating are those small acts that a partner does with someone else outside their relationship. They appear so minor that they are often ignored, but their impact on the relationship can be serious. It does not necessarily involve physical relationship, but it can be in the form of emotional connection or secret chat. 1) Ex's talk If your partner is repeating old memories with someone else, then it can be a sign of micro-cheating. These old memories can be related to old girlfriend-boyfriend or someone with whom your partner was very close. 2) Secret messaging If your partner is talking to someone secretly on message or messaging on social media without your eyes, then it can be a sign of micro-cheating. 3) False praise If your partner is praising someone more than necessary, then it can be a sign of micro-cheating. This is a sign that your partner is taking interest in that person. 4) Lying If your partner tells lies about someone else even when you are with him, then it could be a sign of micro-cheating. For example, ignoring someone's message in front of you and messaging that person later. 5) Secretly talking If your partner hides things related to someone else from his friends or family members, then it is a sign of micro-cheating. This is a sign that your partner is getting emotionally attached to someone else. 6) Spending too much time on social media If your partner spends a lot of time on social media, then it could also be a sign that he is getting attached to someone else. During this time, he talks to the other person, comments and likes his posts.

Dating culture is changing rapidly in India, from situationship to nanoship, now is the era of 'no labels' in relationships

Nowadays, the relationship trend is changing very fast among the youth. Now people give more importance to their comfort and compatibility and choose their relationship accordingly. Gen-G is adopting these new changes in the trend of relationships the fastest. Let's know about these new dating trends. Dating trend is increasing very fast among the youth. These changes in the world of relationships are based on compatibility and comfort. Now apart from boyfriend-girlfriend, people are adopting many other dating methods. The world of relationships in India is changing rapidly. Where once labels like 'married' or 'single' used to define relationships, now it is not so. Nowadays the youth are adopting relationships as per their convenience and are also naming them accordingly. These new trends of relationships are very popular among Gen-G. However, many millennials are also trying them. Let's know what changes are coming in the dating culture in India. Situationship You must have heard the name of situationship a lot in the new relationship trends. It is quite different from the relationship of boyfriend and girlfriend. In this, two people come together, there is also an emotional connection between them, but they do not label their relationship as boyfriend or girlfriend. Understand it like this that in situationship you do not make any commitment to each other. Earlier it may have been considered toxic, but the youth are now liking it a lot. In this, a person gets a chance to understand his partner and if they are not compatible together, then they can leave each other at any time. Nanoship From its name you can guess what nanoship is. Nano means small, that is, this relationship lasts for a very short time. It is limited to a few weeks or three-four dates. This relationship ends as quickly as it begins. This is Gen Z's 'fast-fashion' dating style, in which more importance is given to exploration and new experiences. Fanship You can guess the meaning of fanship from its name. For example, suppose you are a fan of a celebrity and follow them on social media, are also attracted to them, but never talk to them. Similarly, someone may like a person on social media and follow them, but never talk to them. This is a kind of digital attachment without any conversation. All these are new formats of relationships, which the youth are liking a lot. These are more flexible than traditional relationships and give more personal freedom. Nowadays, before getting into any commitment, people want to know whether they will be able to get along with the other person or not.

'Life's frustration is on someone else...' Kriti Sanon breaks silence on hate on social media

Like other film stars, Kriti Sanon has also faced hate on social media. Recently, Kriti has revealed how she deals with online hate. She was last seen in Do Patti and her upcoming projects include many big films. Kriti Sanon has three big films Kriti reacts to online hating

Kriti Sanon is also trolled Ever since the era of social media has come, the scrutiny of film stars has also increased. Some celebs get love, but at the same time they have to face online hate. Kriti Sanon is also one of them. Kriti Sanon, who has won the National Film Award for the film Mimi, has accepted that she has received hate along with love on social media, but she does not let it overwhelm her. Kriti Sanon spoke on social media hate In a conversation with CNN-News 18, Kriti Sanon said about online hating, "I do not pay attention to comments or people's words because I feel that someone is taking out his/her frustrations on someone else. That's why I do not take it seriously." Kriti Sanon further said, "I think if I don't know you, will I really respond to your words, if you say something nice to me, then no. So no, I think I use social media for its good aspect, like I like to connect with my fans and I like to connect with people beyond films." That's why Kriti remains active on social media Do Patti actress Kriti Sanon said, "I also feel that there are two films in a year, meaning hardly 3 come. Sometimes there is not even one in a year. So it is good to stay constantly connected with your fans through social media platforms, but apart from this I think no one will remember you for your social media." Kriti Sanon's upcoming movies Sanon was last seen in the movie Do Kriti Patti in which her performance was highly appreciated. Now the actress will be seen in big Bollywood films. She is also the lead actress of Farhan Akhtar directed Don 3. Ranveer Singh will be seen in the lead role in it. Apart from this, she also has films like Tere Ishq Mein and Cocktail 2 with Dhanush to her credit.

Sohail Khan is very happy after breaking up of 24 years, what did the actor say about ex-wife Seema Sajdeh

Bollywood actor Sohail Khan separated from his ex-wife Seema Sajdeh three years ago. Even after the divorce, the couple is taking care of their children (Nirvana and Yohan) as parents.

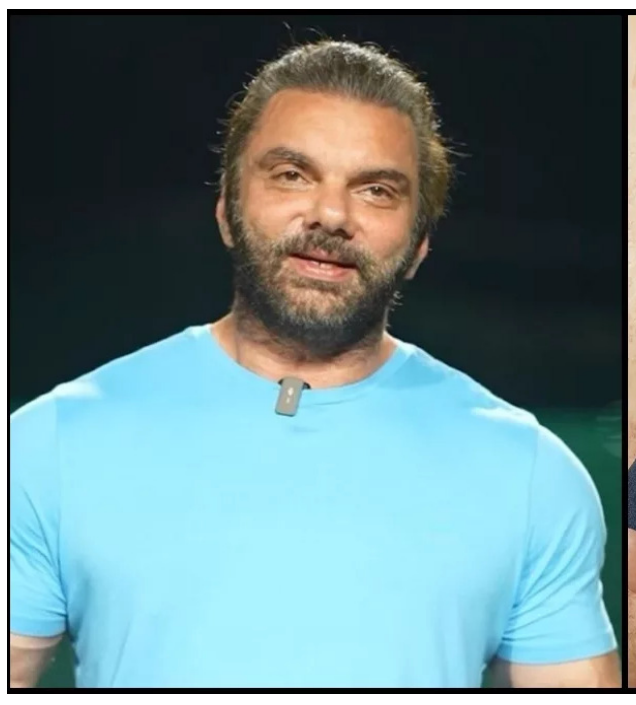

Recently, the actor has talked about Seema after the divorce. Sohail Khan separated from Seema after 24 years Seema is dating someone else after divorce Both are raising children together after divorce Salman Khan's younger brother and actor Sohail Khan separated from his wife Seema Sajdeh after 24 years. In the year 2022, both parted ways, but decided to co-parent their children together. Recently, Sohail has talked for the first time about his bonding with Seema Sajdeh after divorce. Usually after divorce, the relationship between couples becomes bitter, but this is not the case between Sohail Khan and Seema Sajdeh. In a recent interview, the actor has revealed that there is no bitterness between them. They share a good bond. He also praised his ex-wife. Sohail Khan spoke on divorce In a conversation with Times of India, Sohail Khan praised his ex-wife Seema Sajdeh and called her a beautiful and caring mother. He said, "I have lived with Seema for 24 years. She is a beautiful girl and somewhere some things did not go well but this did not change the bond between Seema and me. She is a lovely person. She is a loving and very caring mother." Sohail Khan further said, "Things did not go well between us, but this does not mean that there is any kind of animosity between us. We always take our children on vacation once a year as parents and we enjoy it to the fullest. We will just be different parents and have a good time." Actor Sohail Khan is happier than before. He also revealed that it is better for the children to be happy with single parents rather than getting disturbed by the fights of the couple. That is why he and Seema decided to separate. The actor also said that he is happier now than before. He is stronger and happier than in the last few years. There may be less work, but there is no lack of love. He is spending quality time with his children and parents. Seema Sajdeh found love for the second time. After separating from Sohail Khan, Seema Sajdeh has found love for the second time. Last year, Seema revealed in Fabulous Life vs Bollywood Wives that she is dating someone. His name is Vikram Ahuja. However, she has not revealed his face yet.

Name your child Taimur...', Bengal Files director Vivek Agnihotri made fun of Kareena-Saif's son?

There was a controversy over showing a child named Taimur in the trailer of Vivek Agnihotri's upcoming film Bengal Files. People speculated that the director is taking a dig at Saif Ali Khan's son Taimur. On this, Vivek has clarified why he has named the child Taimur in the film. Did Vivek make fun of Saif-Kareena's son? The director has named the child Taimur in Bengal Files

Vivek Agnihotri told the reason for naming Taimur Vivek Agnihotri is one such director of Hindi cinema, whose films are as controversial as he gives statements with the same impunity. After the success of The Kashmir Files, now the director is coming up with another such film, whose trailer has created a ruckus as soon as it came. The title of the film is 'Bengal Files'. This short trailer released on August 16 shows a glimpse of a child named Taimur. By naming the child Taimur in the film, fans were speculating that by doing this, director Vivek Agnihotri has taken a dig at Saif Ali Khan and Kareena's elder son Taimur. Now Vivek has broken his silence on this entire controversy. Made fun of Saif-Kareena's son's name? Bengal Files director Vivek Agnihotri has cleared all the allegations against him and has clearly said that he has not made fun of Saif and Kareena's son Taimur's name. Vivek, who came as a special guest on the show Raunak, said, "Many people have named their children Taimur. Saif is not the first person who has done this. When I was shooting for Tashkent Files in Samarkand, I saw Taimur's tomb there. It was written outside that tomb that he has conquered the richest sultanate. They wanted to give him the rule there, but he refused and said that he will not accept it until he conquers Delhi". Vivek said this while talking about King Taimur. Vivek Agnihotri further said while talking about King Taimur, "He killed many people in one night. On the way, he raped many people and also looted. Yes, he is a hero in his country, a great person for them, but not for us. Certainly no one should name their child Taimur, there is no question of this". Let us tell you that when Kareena and Saif named their elder son Taimur on 20 December 2016, they had to face a lot of trolling.